मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 88
गुरुवार, 08 अक्टूबर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

ज्ञानेश कुमार देश के वैध चुनाव आयुक्त नहीं: राहुल गांधी

लोकतंत्र के लिए काला दिन', कांग्रेस का एलान- आज देश भर में होगा प्रदर्शन

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, एसआईआर और वोट चोरी के मुद्दे पर INDI गंठबंधन के सांसद कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन कर रहे है। बुधवार दोपहर को 'लंच पॉलिटिक्स' के बाद सभी सांसद जंतर-मंतर के लिए रवाना हो गए हैं। राहुल गांधी ने कहा है कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सभी सांसद जंतर-मंतर पर धरना देंगे। हम देश को अपनी बात बताएंगे। बताएंगे कि कैसे 300 सांसदों को चुनाव आयोग नहीं जाने दिया गया।

राहुल गांधी ने कहा कि कल सांसद चुनाव आयुक्तों, खासकर तीनों चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते थे। उन्होंने हमसे मिलने से इनकार कर दिया। दिल्ली पुलिस ने हमें रोक दिया और कहा कि हम वहां विरोध-प्रदर्शन नहीं कर सकते। आज हम तय विरोध स्थल जंतर-मंतर जाकर वहां बैठेंगे और देश को यह बताते का इरादा रखते हैं कि हमारे लिए ज्ञानेश कुमार देश के वैध चुनाव आयुक्त नहीं हैं।

इससे पहले मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में INDI गठबंधन के नेताओं ने आकाशवाणी भवन पर धरना दिया। करीब आठ घंटे चले इस धरने के बाद रात आठ बजे पुलिस ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को हिरासत में ले लिया और करीब रात 10 बजे के बाद दोनों नेताओं और कार्यकताओं को छोड़ दिया।

जैसे ही INDI गठबंधन के सांसद सेंट्रल दिल्ली के रेस्टोरेंट में पहुंचने लगे, चुनाव आयोग के बाहर भारी सुरक्षा बल तैनात देखा गया। विपक्ष के चल रहे विरोध प्रदर्शन को देखते हुए चुनाव आयोग की ओर जाने वाले सभी मुख्य रास्ते बंद कर दिए गए थे। राहुल गांधी के जंतर-मंतर पहुंचते ही पुलिस का एक्शन शुरू हो गया है। पुलिस ने कांग्रेस के कार्यकताओं को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के एक्शन के बाद प्रदर्शनकारी पैदल ही आगे बढ़ रहे हैं।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा अस्वस्थ महसूस करने के कारण लेट गईं। सीईसी ज्ञानेश कुमार मामले को लेकर जंतर-मंतर जा रहे इंडी गठबंधन के सांसदों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।सीईसी ज्ञानेश कुमार मामले को लेकर जंतर-मंतर जा रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सड़क से उठाकर बस में बिठा दिया। इसके बाद पुलिस ने प्रियंका गांधी को हिरासत में ले लिया है।हिरासत में लिए जाने पर राजद सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि पुलिस ने क्रूर लाठीचार्ज किया। इसके लिए ज्ञानेश कुमार, अमित शाह और पीएम मोदी जिम्मेदार हैं। हमने वर्षों से ऐसे दृश्य नहीं देखे थे। यह क्रूरता की पराकाष्ठा है। आप बेनकाब हो गए हैं। आप सभी कायर हैं।राहुल गांधी को ले जा रही बस को कांग्रेस कार्यकताओं ने पंचर कर दिया है।

भाजपा ने विश्वास और जनाधार खो दिया, पुनर्जागरण का नया सवेरा आ रहा: अखिलेश यादव

लखनऊ, 07 अक्टूबर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने अपना विश्वास और जनाधार पूरी तरह खो दिया है। जो लोग सच में अपने देश से प्यार करते हैं, अब उनकी वैमनस्यपूर्ण धर्मांधता की काली रात गुजर गई है। विवेकशील पुनर्जागरण का एक नया सवेरा उनके मानसिक-अंधकार को मिटा कर नई चेतना का नया प्रकाश ला रहा है। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि अब तो भाजपा के लोग भी समझ गए हैं कि भाजपा किसी की सगी नहीं है। भाजपा में न सरकार का कोई मतलब है, न संगठन का। भाजपा एकाधिकारी मन और एकाकी मानसिकता से पूरी तरह ग्रसित है। इसमें किसी और के लिए कोई स्थान नहीं है। सच तो यह है कि जहां स्थान ही नहीं मिलेगा, वहां मान-सम्मान कैसे मिलेगा। भाजपा में न तो किसी मामले में किसी की सलाह ली जाती है और न ही किसी निर्णय में किसी को शामिल किया जाता है। उन्होंने कहा कि अपने ही दल में घोर उपेक्षित भाजपा के लोग अब एक-दूसरे से दुखी होकर कह रहे हैं कि भाजपा ने हमें बुरी तरह से निचोड़कर बर्बाद कर दिया है। वे कह रहे हैं कि अब हमारी तुलना पूरी तरह रस निकाले जा चुके गन्ने की उस खोई से भी नहीं की जा सकती है, जिसे देखकर हाथी भी मुंह मोड़ लेता है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि तमाम भाजपा के लोग ऐसे हैं, जो किसी भी घाट के नहीं रहे। हमें ऐसे बिन घाट के भाजपा वालों से बेहद सहानुभूति है। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने चिरपरिचित धमकी भरे अंदाज में खुद स्वीकार कर लिया है कि उनके राज में पीडीए का उत्पीड़न रुकने वाला नहीं है। मतलब पीड़ित, दुखी व अपमानित और पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, आधी आबादी व आदिवासी के साथ भाजपा सरकार का अत्याचार और अन्याय और बढ़ने वाला है। अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए को धमकी देती 5 सेकंड की यह स्वीकारोक्ति पीडीए का दमन करने वाले भाजपा नेताओं को पांच जन्मों तक सिर उठाकर आंख मिलाने लायक नहीं छोड़ेगी। मुख्यमंत्री को सोते-जागते हर समय पीडीए-ही-पीडीए दिखता है। हमारी सलाह तो यह है कि वो क्यों न108 मनकों की माला बनाकर पीडीए का जाप करें। उन्होंने कहा कि जनता चढ़ावा चोरों की बात सुनने के मूड में नहीं है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर ट्रक में जा घुसी कार, क्रिकेट खेल घर लौट रहे चार खिलाड़ियों की मौत

देवरिया, 07 अक्टूबर। लखनऊ में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता खेलकर घर लौट रहे देवरिया के चार खिलाड़ियों की पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बुधवार सुबह सड़क हादसे में मौत हो गई। तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। ये सभी मईल और लार थाना क्षेत्र के युवक थे। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित गांवों में शोक की लहर दौड़ गई।

मृतकों में मईल थाना क्षेत्र के बगहा गांव निवासी नित्यानंद प्रजापति 26 वर्ष, बलिया उत्तर निवासी इरफान उर्फ राज, लार थाना क्षेत्र के चुरिया निवासी अनिकेत सिंह और कोहरा गांव निवासी आनंद यादव शामिल हैं। चारों क्रिकेट खिलाड़ी थे और लखनऊ में आयोजित टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में हिस्सा लेने गए थे। मंगलवार को प्रतियोगिता खेलने के बाद वे कार से घर लौट रहे थे। बुधवार सुबह पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर उनकी कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। हादसा इतना गंभीर था कि चारों की मौत हो गई।

नित्यानंद की मौत की खबर बगहा गांव पहुंचते ही उनके घर पर ग्रामीणों और परिचितों की भीड़ जुट गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। सूचना मिलते ही नित्यानंद के पिता मनोज प्रजापति छोटे बेटे अंकित के साथ लखनऊ के लिए रवाना हो गए। ग्रामीणों के अनुसार नित्यानंद क्रिकेट खेलने के लिए लखनऊ गए थे और प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद साथियों के साथ वापस लौट रहे थे। एक साथ चार खिलाड़ियों की मौत से मईल और लार क्षेत्र के गांवों में मातम पसरा है। खेल प्रेमियों और क्षेत्र के लोगों में भी शोक है। हादसे की खबर के बाद चारों परिवारों के घर लोगों का पहुंचना शुरू हो गया और गांवों में पूरे दिन घटना की चर्चा होती रही।

मोदी के 25 साल की यात्रा में बदला भारत, अब युवाओं के कंधों पर विकसित भारत की जिम्मेदारी

- दस साल पहले डरावना था यूपी, आज काशी अयोध्या बनी पहचान : योगी
- मोदी के 25 साल के सेवा-संकल्प से आज वैश्विक मानचित्र पर ताकत के रूप में उभरा भारत

सुरेश गांधी

वाराणसी। वडनगर से बाबा विश्वनाथ की पावन नगरी काशी तक निकली आस्था, सेवा और जनसंपर्क की अनूठी बाइक यात्रा का समापन बुधवार को काशी में हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर निकली इस यात्रा के समापन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे केवल हजारों किलोमीटर की दूरी नापने वाली बाइक यात्रा नहीं, बल्कि सेवा, संकल्प और ह्यएक भारत-श्रेष्ठ भारतह्न की भावना को जोड़ने वाली यात्रा बताया। जगतपुर इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा और यात्रा में शामिल युवाओं का काशीवासियों तथा उत्तर प्रदेश के करोड़ों कार्यकताओं की ओर से हृदय से स्वागत और अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, राज्यमंत्री पंकज चौधरी, सांसद डॉ. हेमांग जोशी समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह यात्रा ऐसे समय काशी पहुंची है, जब पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने को सेवा और संकल्प के रूप में देख रहा है। उन्होंने कहा कि इससे बड़ा संयोग और क्या हो सकता है कि 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरूआत की थी और 25 वर्ष बाद उसी सेवा-संकल्प की स्मृति लेकर युवा काशी की धरती पर पहुंचे हैं।

भूकंप की राख से विकास की नई इबारतः मुख्यमंत्री ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 का वह समय गुजरात के लिए आसान नहीं था। कुछ ही समय पहले आए भूकंप ने गुजरात ही नहीं, पूरे देश को हिला दिया था। गुजरात की धरती पर तब संकट और पीड़ा का गहरा असर था। ऐसे समय नरेंद्र मोदी को गुजरात की जिम्मेदारी मिली। उन्होंने कहा कि उजड़े हुए गुजरात को फिर से खड़ा करना उस समय सबसे बड़ी चुनौती थी। लेकिन नरेंद्र मोदी ने चुनौती से पीछे हटने के बजाय उसे स्वीकार किया। राहत और पुनर्वास के प्रयासों के साथ गुजरात को विकास की राह पर आगे ले जाने का प्रयास शुरू हुआ। योगी ने कहा कि देखते-देखते गुजरात उस संकट से बाहर निकला और विकास के एक मॉडल के रूप में सामने आया। जो धरती कभी भूकंप की त्रासदी के लिए चर्चा में थी, वही आगे चलकर विकास की चर्चा का केंद्र बनी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात की धरती से 25 वर्ष पहले शुरू हुई यह यात्रा आज पूरे भारत की यात्रा बन चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक मानचित्र पर एक ताकत के रूप में उभरा है।

सुप्रीम कोर्ट ने नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान की अंतरिम जमानत में दखल से किया इनकार

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से बुधवार को इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने हालांकि पश्चिम बंगाल सरकार को यह छूट दी कि यदि प्रधान अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों में अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने का अनुरोध करते हैं, तो वह उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दलीलें रख सकती है। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए। उच्चतम न्यायालय ने 30 सितंबर को पश्चिम बंगाल सरकार की उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई थी, जिसमें 2007 में दर्ज छह आपराधिक मामलों में प्रधान को दी गई अंतरिम जमानत को चुनौती दी गई थी। न्यायालय ने गौर किया कि उच्च न्यायालय ने प्रधान को चुनाव प्रचार करने और मतगणना में हिस्सा लेने की अनुमति देने के सीमित उद्देश्य से 20 अक्टूबर तक अंतरिम जमानत दी है। नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव छह अक्टूबर को हुआ था और मतगणना नौ अक्टूबर को होगी।

'एंबिशन नहीं, मिशन के लिए जीने वाला इंसान हूं', सेवा भाव के 25 साल पूरे होने पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष का सतत कार्यकाल पूरा करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को जब अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा को शब्दों में उकेरा तो उसमें सात अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से लेकर अब तक सामने आई परिस्थितियों की धूप-छांव सबकुछ था। देशवासियों, पार्टी कार्यकताओं और स्वयंसेवकों के प्रति कृतज्ञ भाव में डूबे दिखे तो श्रीमद्भगवत गीता के संदेशों के माध्यम से जीवन-दर्शन को व्यक्त किया।

संघर्ष, समर्पण और सफलता को देश के प्रति समर्पत करते हुए बोले- 'मैं एंबिशन के लिए नहीं, मिशन के लिए जीने वाला इंसान रहा। मुझे जो भी जिम्मेदारियां मिलीं, उन्हें निभाता चला गया।आज के दिन को अपने संकल्पों को नई ऊर्जा से भरने का दिन बताते हुए बोले- यह उस वादे को दोहराने का, उस इरादे को व्यक्त करने का दिन है, जो कहता है हम करके रहेंगे...वी विल डू इट...। ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरे पीएम मोदी ने देश को नारा दिया- 'विकसित भारत 2047... वी विल डू इट...।'इंदिरा गांधी स्टेडियम में

आयोजित 'विकसित भारत संकल्प सभाः सेवा ज्योति यात्रा' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सात अक्टूबर 2001 को जब मैंने गुजरात के सीएम के रूप में शपथ ली थी, तब सोचा नहीं था कि कभी ये पड़ाव भी आएगा। देश की जनता के चरणों में शीष झुकाकर नमन करते हुए बोले- इस दौरान इतने सारे चुनाव हुए, चाहे वह विधानसभाओं के हों या लोकसभा के चुनाव, जनता ने हमेशा मुझे अपनी सेवा के लिए चुना। मैं आज जो कुछ हूं, जहां भी हूं, जिस दायित्व पर हूं, उसमें सबसे बड़ा योगदान जनता जनार्दन का ही है। खुद को आज भी एक विद्यार्थी बताते हुए पीएम ने कहा- मैं हर उस व्यक्ति और घटना के प्रति कृतज्ञ हूं, जिसने मुझे कुछ न कुछ सिखाया। जिसने मुझे जिताया, उसने मुझे विनम्र होना सिखाया। जिसने मुझे गिराया, उसने मुझे फिर खड़ा होना सिखाया। शुभचिंतकों ने मुझे प्रोत्साहित किया और आलोचकों ने मुझे अपने भीतर झोकना सिखाया। जिसने मेरा साथ दिया, मुझे विश्वास की शक्ति दिखाई, जिसने मेरा विरोध किया, उसने मुझे लोकतंत्र की शक्ति समझाई। हर संकट मेरे धैर्य की परीक्षा रहा। मोरवी की बाढ़, भुज के भूकंप से लेकर कोरोना महामारी तक का उल्लेख करते हुए बोले कि आज मैं कह सकता हूं कि मेरे जीवन में कोई घटना व्यर्थ नहीं गई। हर घटना ने मुझे सिखाया। प्रधानमंत्री ने कहा- आज से 25 साल पहले 50 वर्ष की आयु में जंगलों में आदिवासियों की सेवा करते-करते गुजरा, पहाड़ों की जिंदगी बिताई। भाजपा में संगठन की राह चुनी, मेरा राजनीतिक रिपोर्ट कार्ड सिर्फ संगठन का काम करने वाले का ही था।

मैंने चुनाव लड़ाए थे, लेकिन एक भी चुनाव नहीं लड़ा था। चुनावी राजनीति में चमकने की चाहत होती तो बहुत पहले ही मैदान में उतर सकता था, लेकिन यह मेरा मिजाज नहीं था। मैं जीवन में क्या बनूंगा, मेरा क्या होगा, ये कभी सोचा नहीं। 2014 के बाद देश में आए बदलावों का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह तभी होता है, जब नीयत साफ होती है और नीति स्पष्ट होती है।

मस्तिष्क के रहस्यों की नई खोज से मानवता के उजाले

-ललित गर्ग

मानव सभ्यता की यात्रा अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा है। कभी मनुष्य ने प्रकृति के रहस्यों को समझने के लिए आकाश की ओर देखा, कभी धरती की गहराइयों में उतरकर जीवन के सूत्र खोजे और कभी अपने शरीर के भीतर छिपी अद्भुत शक्तियों को जानने का प्रयास किया। विज्ञान की प्रत्येक महत्वपूर्ण खोज ने मनुष्य के सामने एक नया क्षितिज खोला है। लेकिन इन सभी खोजों के बीच मानव मस्तिष्क आज भी सबसे बड़ी पहेली बना हुआ है। जिस मस्तिष्क ने विशाल पर्वतों को लांघने, समुद्रों की गहराइयों को नापने, अंतरिक्ष तक पहुंचने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करने की क्षमता अर्जित की, उसी मस्तिष्क के भीतर विचार कैसे जन्म लेते हैं, स्मृतियां कैसे आकार पाती हैं, भावनाएं हमारे व्यवहार को किस प्रकार संचालित करती हैं और मानसिक पीड़ा मनुष्य के जीवन को किस तरह बदल देती है, ये प्रश्न लंबे समय से वैज्ञानिकों को चुनौती देते रहे हैं। ऐसे में मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश के माध्यम से नियंत्रित करने से संबंधित अनुसंधान का महत्व केवल वैज्ञानिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को समझने और उसके दुखों को कम करने की दिशा में एक नई आशा का संचार करता है। वर्ष 2026 के चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार के संबंध में प्रस्तुत विवरण में कार्ल डेइसेरोथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नागेल की जिस खोज का उल्लेख है, वह विज्ञान की इसी खोजी प्रवृत्ति का उदाहरण है। इस अनुसंधान से विकसित प्रकाशानुवंशिकी तकनीक ने मस्तिष्क की गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए एक ऐसा मार्ग उपलब्ध कराया है, जिसके माध्यम से वैज्ञानिक विशेष तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश की सहायता से सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं। इस उपलब्धि की विशेषता यह है कि इसकी शुरूआत किसी विशाल प्रयोगशाला में मनुष्य के मस्तिष्क पर किए गए प्रयोग से नहीं, बल्कि एक छोटे से शैवाल में प्रकाश के प्रति संवेदनशील प्रोटीन को समझने के प्रयास से हुई। प्रकृति के एक सूक्ष्म जीव में छिपे रहस्य ने मानव मस्तिष्क के अध्ययन के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए। यह घटना हमें बताती है कि प्रकृति में छोटा-बड़ा कुछ भी महत्वहीन नहीं होता। कभी-कभी जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं का समाधान प्रकृति के सबसे छोटे घटकों में छिपा होता है।

इस खोज की मूल भावना को समझना आवश्यक है। हमारे मस्तिष्क में असंख्य तंत्रिका कोशिकाएं विद्युत और रासायनिक संकेतों के माध्यम से परस्पर संवाद करती हैं। यही संवाद हमारी स्मृति, संवेदना, भय, प्रसन्नता, निर्णय और व्यवहार को प्रभावित करता है। पहले वैज्ञानिक मस्तिष्क के उन हिस्सों का अध्ययन कर सकते थे जो किसी विशेष गतिविधि के समय सक्रिय होते हैं, लेकिन केवल सक्रियता देख लेने से यह निश्चित करना कठिन था कि कोई विशेष कोशिका उस गतिविधि का कारण भी है या नहीं। प्रकाश के माध्यम से चुनिंदा कोशिकाओं को नियंत्रित करने की तकनीक ने इस अंतर को समझने का अवसर दिया। अब वैज्ञानिक अधिक सूक्ष्मता से जांच सकते हैं कि किसी विशेष तंत्रिका समूह को सक्रिय करने अथवा उसकी गतिविधि रोकने से व्यवहार और शारीरिक प्रतिक्रिया में क्या परिवर्तन आता है। इस प्रकार मस्तिष्क का अध्ययन केवल देखने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर कारण और परिणाम के संबंधों को समझने की दिशा में बढ़ा है। फिर भी वैज्ञानिक आशा और वास्तविक चिकित्सा उपलब्धि के बीच का अंतर समझना उतना ही आवश्यक है। विशेषकर मनुष्य के मस्तिष्क में इस तकनीक के सुरक्षित उपयोग के लिए अनेक वैज्ञानिक, चिकित्सकीय और नैतिक चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मस्तिष्क के संबंधों में इस अनुसंधान की उपयोगिता की संभावनाएं हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक संभावित लाभ को स्थापित उपलब्धि मान लेना विज्ञान की गंभीरता के अनुकूल नहीं है। वास्तविक वैज्ञानिक दृष्टि वही है जो आशा को जीवित रखे, लेकिन तथ्यों के प्रति ईमानदार भी बनी रहे। यहां इस खोज की तुलना विज्ञान की उन अन्य उपलब्धियों से भी की जा सकती है, जिन्होंने मानव जीवन की दिशा बदल दी। टीकों ने संक्रामक रोगों से बचाव के नए रास्ते खोले, प्रतिजैविक औषधियों ने अनेक प्राणघातक संक्रमणों के उपचार को संभव बनाया और आधुनिक शल्य चिकित्सा ने असंख्य जीवन बचाए। इन उपलब्धियों की विशेषता केवल उनकी वैज्ञानिक नवीनता नहीं थी, बल्कि उनका व्यापक सामाजिक प्रभाव भी था। दूसरी ओर, विज्ञान की कुछ खोजों को प्रयोगशाला से सामान्य जीवन तक पहुंचने में दशकों लगे। मस्तिष्क संबंधी अनुसंधान भी इसी लंबी यात्रा का हिस्सा है। इसका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा, जब इससे प्राप्त ज्ञान सुरक्षित उपचारों, सुलभ चिकित्सा और रोगियों के जीवन में ठोस सुधार का आधार बनेगा। विज्ञान की महानता केवल किसी रहस्य को खोलने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को मानवता के हित में उपयोग करने में निहित है। इस संदर्भ में नोबेल पुरस्कार का महत्व भी नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। यह सम्मान किसी वैज्ञानिक की व्यक्तिगत उपलब्धि का उत्सव भर नहीं होता, बल्कि उन वर्षों के परिश्रम, जिज्ञासा, असफलताओं और धैर्य की स्वीकृति भी होता है, जिनके बिना कोई महत्वपूर्ण खोज संभव नहीं होती। इस खोज का एक नैतिक और दार्शनिक पक्ष भी है। मनुष्य का मस्तिष्क केवल विचारों और प्रतिक्रियाओं का केंद्र नहीं, बल्कि उसकी पहचान, अनुभवों और आत्मबोध से भी गहराई से जुड़ा है। यदि वैज्ञानिक किसी विशेष कोशिका समूह को सक्रिय या निष्क्रिय करके व्यवहार में परिवर्तन ला सकते हैं, तो यह प्रश्न भी उठता है कि मस्तिष्क की गतिविधियों को नियंत्रित करने की हमारी क्षमता की सीमाएं क्या होनी चाहिए। रोगों के उपचार और मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए ऐसी तकनीकों का विकास स्वागतयोग्य है, लेकिन इनके उपयोग में व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता, निजता और सहमति की रक्षा अनिवार्य है। किसी मनुष्य के विचारों और भावनाओं को समझने की वैज्ञानिक क्षमता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उसके मन पर नियंत्रण स्थापित करने का अधिकार भी प्राप्त हो गया। विज्ञान को जितनी शक्ति मिलती है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी उसके साथ जुड़ती है। भारत जैसे देश के लिए इन अनुसंधानों का संदेश विशेष महत्व रखता है। यहां बड़ी आबादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक संकोच दूर करना और वैज्ञानिक अनुसंधान को सामान्य जनजीवन से जोड़ना बड़ी चुनौतियां हैं। मानसिक रोगों को कमजोरी या सामाजिक कलंक मानने के बजाय उन्हें संवेदनशीलता और चिकित्सकीय समझ के साथ देखने की आवश्यकता है। विज्ञान की नई खोजें तभी सार्थक होंगी, जब उनके लाभ केवल संपन्न वर्ग या विकसित देशों तक सीमित न रहें। अनुसंधान से विकसित होने वाले उपचार सुलभ, सुरक्षित और आर्थिक रूप से वहनीय भी होने चाहिए। ज्ञान का वास्तविक लोकतंत्रीकरण तभी होगा, जब समाज का कमजोर से कमजोर व्यक्ति भी उससे लाभ प्राप्त कर सके। अंततः मस्तिष्क के रहस्यों को समझने की यह यात्रा हमें केवल मनुष्य की जैविक संरचना के बारे में नई जानकारी नहीं देती, बल्कि हमारी सभ्यता के उद्देश्य पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करती है। जिस बुद्धि के बल पर मनुष्य ने प्रकृति को समझा, उसी बुद्धि का सर्वोच्च उपयोग दूसरों की पीड़ा को समझने और कम करने में होना चाहिए। प्रकाश का वास्तविक अर्थ केवल अंधकार को हटाना नहीं, बल्कि जीवन को देखने की दृष्टि बदलना भी है। एक छोटे से शैवाल में छिपी वैज्ञानिक संभावना से लेकर मानव मस्तिष्क की जटिल गतिविधियों तक फैली यह यात्रा हमें विनम्रता, धैर्य और जिज्ञासा का संदेश देती है। यह याद दिलाती है कि प्रकृति के रहस्य असीम हैं और मनुष्य का ज्ञान अभी अधूरा है। इसलिए विज्ञान की हर नई उपलब्धि को अंतिम उत्तर नहीं, बल्कि बेहतर प्रश्न पूछने और अधिक मानवीय समाधान खोजने का अवसर मानना चाहिए। किसी भी खोज की सर्वोच्च सफलता तब होगी, जब वह प्रयोगशाला की सीमाओं से निकलकर पीड़ित मनुष्य के जीवन में राहत, निराश व्यक्ति के जीवन में आशा और समाज में अधिक संवेदनशीलता का संचार करे। यही विज्ञान की मानवीय कसौटी है और यही वह नई दृष्टि है, जिसकी आज पूरी दुनिया को आवश्यकता है।

साहस और राजनीति का द्वंद्वः नायकत्व पर मौन का गहराता संकट

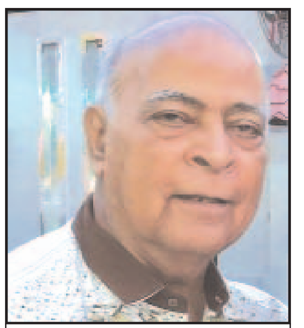

अशोक भाटिया

सच्चा साहस किसी राजनीतिक विचारधारा या वोट बैंक के समीकरणों का मोहताज नहीं होता। हाल ही में फ्लाईदुबई की उड़ान ॠ073 में ओमान के सह-पायलट द्वारा किए गए जानलेवा हमले के बावजूद, भारतीय जांबाज कप्तान स्मित मच्छार ने अदम्य वीरता दिखाते हुए 174 यात्रियों की जान बचाई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का मान बढ़ाने वाली इस ऐतिहासिक शौर्य गाथा पर देश के मुख्यधारा के विपक्ष ने एक रहस्यमयी चुप्पी साधे रखी है। इस पूरे गतिरोध की जड़ में जो सबसे बड़ा और गंभीर आरोप उभर कर सामने आ रहा है, वह है तुष्टिकरण और वोट बैंक की कथित राजनीति।

जब राष्ट्रीय गौरव के क्षणों को भी दलगत हितों के संकीर्ण चश्मे से देखा जाने लगे, तो यह हमारे लोकतांत्रिक विमर्श के गिरते स्तर और वैचारिक संकीर्णता को रेखांकित करता है इस पूरे गतिरोध के केंद्र में जो सबसे बड़ा और अकाट्य सच उभर कर सामने आ रहा है, वह यह है कि विपक्ष की इस हिचकिचाहट के पीछे हमलावर की धार्मिक और राष्ट्रीय पहचान एक बड़ा और निर्णायक कारक रही है। जब कॉकपिट में जानलेवा हमला करने वाला सह-पायलट एक विशेष अल्पसंख्यक समुदाय से ताल्लुक रखता हो, तो भारतीय राजनीति का एक धड़ा तुष्टिकरण के अपने पुराने और घिसे-पिटे ढर्रे पर लौट आता है। भाजपा प्रवक्ताओं और सत्ता पक्ष के नेताओं ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर सीधा हमला बोलते हुए यह आरोप लगाया है कि केवल अपने पारंपरिक वोट बैंक के खिसकने के डर से विपक्ष इस आतंकवादी प्रवृत्ति वाली घटना और पायलट के शौर्य पर कुछ भी बोलने से बच रहा है। यह भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना और त्रासदी है कि जहाँ सामान्य दिनों में अपराधियों और कट्टरपंथियों का कोई धर्म न होने की दुहाई दी जाती है, वहीं एक जांबाज राष्ट्रनायक की सराहना करने के पैमाने भी वोट बैंक के नफे-नुकसान से तय होने लगते हैं। अल्पसंख्यक समुदाय के एक वर्ग की संभावित नाराजगी के डर से राष्ट्र के असली नायक की उपेक्षा करना यह साबित करता है कि विपक्ष के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा, गौरव और न्याय से ऊपर अपने चुनावी समीकरणों को सुरक्षित रखना है। एक जांबाज कप्तान जिसने लहूलुहान होकर भी देश का मान बढ़ाया, उसे केवल इसलिए देश के सभी राजनीतिक दलों से एकमुश्त सराहना नहीं मिली क्योंकि उसका मुकाबला करने वाला व्यक्ति एक विशेष पृष्ठभूमि से था। यह चयनात्मक चुप्पी (री ू३५ी ्र'ल्लू) केवल एक राजनीतिक भूल नहीं है, बल्कि देश की सामूहिक चेतना और सुरक्षा बलों के मनोबल के साथ एक गहरा विश्वासघात है।

विपक्ष की इस असहजता का दूसरा और अधिक सांस्कृतिक पहलू कैप्टन स्मित मच्छार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अस्पताल से हुई वीडियो कॉल की बातचीत से जुड़ा है। इस बातचीत के दौरान जब कैप्टन ने यह साझा किया कि उस अत्यंत भयानक और जानलेवा संकट के क्षणों में वे मन ही मन 'हनुमान चालीसा' का पाठ कर रहे थे और इसी आत्मबल ने उन्हें विमान पर नियंत्रण बनाए रखने की शक्ति

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

दी, तो इस मुद्दे ने एक पूरी तरह से नया मोड़ ले लिया। जैसे ही किसी घटना में सनातन आस्था, धार्मिक विश्वास और प्रधानमंत्री की सीधी संलिप्तता का समावेश होता है, वैसे ही देश का विपक्ष रक्षात्मक मुद्रा में आ जाता है। वर्तमान राजनीतिक वातावरण में विपक्ष ने भाजपा के 'हिंदू गौरव' के आख्यान का मुकाबला करने के लिए खुद को एक ऐसे धर्मनिरपेक्ष ढांचे में कैद कर लिया है, जहां वे बहुसंख्यक समुदाय की आस्था के सार्वजनिक प्रकटीकरण से दूरी बनाना ही अपनी राजनीतिक भलाई समझते हैं। उन्हें यह डर सताने लगा कि यदि वे कैप्टन स्मित की सराहना करेंगे, तो वे अनजाने में भाजपा के उस राष्ट्रवाद और धार्मिक विमर्श को मजबूत कर देंगे जिसे वे लगातार चुनौती देने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन विपक्ष यह समझने में पूरी तरह विफल रहा कि हनुमान चालीसा का पाठ करना कप्तान की व्यक्तिगत आस्था और संकट के समय का आत्मबल था, न कि कोई राजनीतिक बयानबाजी। व्यक्तिगत आस्था को राजनीतिक शत्रुता के तराजू पर तौलना विपक्ष की वैचारिक कमजोरी को दशार्ता है।

इसके अलावा, भारतीय राजनीति में प्रतिद्वंद्विता का स्तर अब इस हद तक व्यक्तिगत और कटु हो चुका है कि 'पवित्र तटस्थता' या 'साझा राष्ट्रीय गौरव' की अवधारणाएं लगभग समाप्त हो चुकी हैं। आज के दौर में यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी व्यक्ति, खिलाड़ी, सैनिक या वैज्ञानिक की सराहना करते हैं, तो विपक्ष स्वचालित रूप से उस नायक से दूरी बना लेता है। प्रधानमंत्री के प्रति अत्यधिक विरोध की भावना ने विपक्ष की तार्किक क्षमता को इस कदर प्रभावित किया है कि वे देश के वास्तविक नायकों को भी सत्ता पक्ष का 'प्रचार तंत्र' समझने की भूल कर बैठते हैं। वरिष्ठ पत्रकारों और विश्लेषकों ने इस बात को बार-बार रेखांकित किया है कि विपक्ष को यह लगने लगा है कि इस मुद्दे पर खुलकर सामने आने से भाजपा को इसका सीधा चुनावी या राजनीतिक लाभ मिल सकता है। परिणाम यह हुआ कि जिस जांबाज कप्तान की बहादुरी पर पूरे देश को झूमना चाहिए था, उस पर संसद से लेकर सड़क तक एक विभाजनकारी रेखा खींच दी गई। नायक किसी दल के नहीं होते, वे राष्ट्र की संपत्ति होते हैं; लेकिन जब राजनीति इतनी संकीर्ण हो जाए कि नायक की सराहना करने से पहले यह देखा जाए कि उसकी पीठ पर हाथ किसका है, तो समाज का नैतिक ताना-बाना कमजोर होने लगता है।

यह विवाद तब और अधिक गहरा गया जब विपक्ष के कुछ प्रमुख नेताओं द्वारा इस गंभीर राष्ट्रीय मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए अन्य अनुचित तुलनाएं की जाने लगीं। भाजपा ने विपक्ष को इस बात पर भी आड़े हाथों लिया कि जहां वे देश के लिए अपनी जान की बाजी लगाने वाले एक असली कप्तान स्मित मच्छार पर पूरी तरह मौन रहे, वहीं खेल जगत के कप्तानों या अन्य मनोरंजन अभिनेताओं पर उनकी त्वरित प्रतिक्रियाएं आती रहती हैं। यह प्राथमिकता का विरोधाभास देश की जनता को भी साफ दिखाई देता है। जब जनता यह देखती है कि उनके वास्तविक जीवन के नायक, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का झंडा बुलंद कर रहे हैं और मौत के मुंह से सैकड़ों लोगों को निकाल कर ला रहे हैं, उन्हें राजनीतिक कारणों से उपेक्षित किया जा रहा है, तो राजनीतिक दलों के प्रति आम नागरिक का विश्वास और कम हो जाता है। राष्ट्रवाद और देशप्रेम कोई ऐसी वस्तु नहीं हैं जिन्हें केवल चुनाव के समय भुनाया जाए। यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें देश के हर नागरिक और विशेषकर जनप्रतिनिधियों को अपनी संकीर्णताओं से ऊपर उठकर राष्ट्र के नायकों के सम्मान में खड़ा होना पड़ता है।

अंततः, विपक्ष का यह रवैया उनकी अपनी राजनीतिक जमीन के लिए भी आत्मघाती साबित हो रहा है। देश की बहुसंख्यक जनता, जो सोशल मीडिया और सूचना क्रांति के इस दौर में हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर पैनी नजर रखती है, वह इस प्रकार के चयनात्मक मौन को बहुत अच्छी तरह समझती है। जब विपक्ष वास्तविक मुद्दों और राष्ट्रीय गौरव के क्षणों में देश की सामूहिक भावना के साथ सुर में सुर मिलाने से कतराता है, तो वह अनजाने में सत्ता पक्ष को राष्ट्रवाद के मुद्दे पर एकाधिकार सौंप देता है। भाजपा को यह कहने का पूरा अवसर मिल जाता है कि विपक्ष देश के वीरों का सम्मान करना नहीं जानता और उनका राष्ट्रवाद केवल वोट बैंक की सीमाओं तक ही सीमित है। यदि विपक्ष को वास्तव में सत्ता पक्ष के नैरेटिव का मुकाबला करना है, तो उन्हें देश के नायकों को अपनाने का साहस दिखाना होगा। कैप्टन स्मित मच्छार की तारीफ करने से विपक्ष छोटा नहीं होता, बल्कि उनकी लोकतांत्रिक और राष्ट्रीय परिपक्वता और अधिक सुदृढ़ होती। समय आ गया है कि हमारी राजनीति दलगत सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय गौरव के मुद्दों पर एक सुर में बोलना सीखे, क्योंकि जब देश का नायक जीतता है, तो पूरी व्यवस्था की जीत होती है, और जब राजनीति के कारण उस नायक को अनदेखा किया जाता है, तो पराजय पूरे राष्ट्र की होती है।

प्रेमानंद विवादः यूट्यूबरों के कृत्यों और कंगारू कोर्ट का कारनामा

डिजिटल युग में भारत के भीतर सूचना तंत्र का लोकतांत्रिकरण जिस तेजी से हुआ है, उसने पारंपरिक मीडिया की सीमाओं को तोड़कर अभिव्यक्ति को एक नया खुला आसमान दिया है। इस बदलाव के सबसे बड़े केंद्र बनकर उभरे हैं देश के लाखों स्वतंत्र डिजिटल रचनाकार और यूट्यूबर, जिन्होंने समाज की आवाज बनने और जनसरोकार से जुड़े मुद्दों को उठाने का बीड़ा उठाया। लेकिन इसी व्यापक और बेलगाम होते जा रहे डिजिटल संसार का एक दूसरा स्याह और डरावना पहलू भी सामने आ रहा है। नाम, शोहरत, व्यूज और मोटी कमाई यानी नाम और दाम की इस अंधी दौड़ में डिजिटल मंचों का एक बड़ा हिस्सा सनसनीखेज कंटेंट परोसने की ऐसी प्रयोगशाला बन चुका है, जो समाज, संवैधानिक मयार्दाओं और देश के शांतिपूर्ण ताने-बाने के लिए गहरी चिंता का विषय बनता जा रहा है। सरोकार की पत्रकारिता या रचनात्मकता का स्थान अब एजेंडा संचालित वीडियो, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिशों, राजनीतिक विद्वेष और किसी प्रतिष्ठित शख्सियत की छवि को मिट्टी में मिलाने के सुनियोजित प्रयासों ने ले लिया है। सूचनाओं के इस महासागर में विश्वसनीयता और संवेदनशीलता पूरी तरह दरकिनार हो चुकी हैं, और अब स्थिति यह हो गई है कि क्लिक और एल्गोरिदम की रेटिंग के लिए समाज के सौहार्द को दांव पर लगाने से भी गुरेज नहीं किया जा रहा है।

इस अनियंत्रित दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात एआई की नई तकनीकों ने इस मनमानी को एक ऐसा घातक हथियार दे दिया है, जिसकी वजह से सच और झूठ के बीच का अंतर लगभग खत्म हो चुका है। डीपफेक, वॉयस क्लोनिंग और हेरफेर किए गए विजुअल्स का सहारा लेकर किसी भी सम्मानित नागरिक, राजनेता, अभिनेता या आध्यात्मिक गुरु के चेहरे को झूठी कहानियों में फिट कर दिया जाता है। इस एआई संचालित प्लेटफॉर्म का उपयोग अब वैचारिक नफरत फैलाने, फेक न्यूज को असली खबरों की तरह प्रस्तुत करने और किसी भी संवेदनशील घटना को दंगे की आग में झोंकने के उपकरण के रूप में किया जा रहा है। जब किसी भी घटना की सत्यता को परखे बिना सनसनीखेज थंबनेल और भड़काऊ बयानों के साथ वीडियो अपलोड किए जाते हैं, तो वह समाज में अराजकता फैलाने का जरिया बनते हैं। कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जहां केवल राजनीतिक दलों के खिलाफ नैरेटिव सेट करने या किसी विशिष्ट विचारधारा को लाभ पहुंचाने के लिए आधारहीन और मनगढ़ंत तथ्यों को डिजिटल मीडिया पर दिन-रात चलाया जाता है। यह खेल महज

-संजय सक्सेना

कुछ व्यूज तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा व्यापारिक मॉडल काम कर रहा है, जो समाज में दरारें पैदा करके ही मुनाफा कमाता है।

डिजिटल कंटेंट क्रिएशन की इस आक्रामकता और संवेदनहीनता का एक ज्वलंत और हालिया उदाहरण प्रख्यात आध्यात्मिक संत प्रेमानंद महाराज और जाने-माने यूट्यूबर व पत्रकार शुभांकर मिश्रा के बीच उपजे हालिया विवाद में खुलकर सामने आया है। वृंदावन के एक आश्रम में हुई एक दुखद घटना और प्रेमानंद महाराज के शिष्य दीपक लोधी (रसिक दुलारी) की रहस्यमयी मौत के बाद, स्वतंत्र डिजिटल मीडिया ने इस मामले को सनसनी की तरह पेश करना शुरू कर दिया। शुभांकर मिश्रा ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस घटनाक्रम की रिपोर्टिंग करते हुए और आश्रम की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे बेहद संवेदनहीनता के साथ आश्रम 2.0 का नाम दे दिया, जिसकी तुलना एक विवादास्पद वेब सीरीज से की जाने लगी। उन्होंने अपने वीडियो के माध्यम से यह नैरेटिव सेट करने की कोशिश की कि क्या पूज्य महाराज जी को किसी व्यवस्था द्वारा हाईजैक कर लिया गया है। इस प्रकार की सतही तुलना और बिना किसी पुख्ता अदालती या पुलिसिया निष्कर्ष के देश के करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र संत प्रेमानंद महाराज को इस विवाद के घेरे में घसीटने के प्रयास ने संत समाज और उनके भक्तों को पूरी तरह झकझोर दिया।

इस अनुचित तुलना और संत की गरिमा पर उठाए गए सवालों के बाद वृंदावन से लेकर पूरे देश में व्यापक आक्रोश फैल गया, जहां लोगों ने भारी नाराजगी जताते हुए शुभांकर मिश्रा के पुतले तक फूंके। यद्यपि बाद में विवाद के गहराने पर उन्होंने सफाई देते हुए महाराज जी को पूजनीय और सम्माननीय बताया, लेकिन तब तक टीआरपी और व्यूज बटोरने के चक्कर में एक गंभीर और संवेदनशील आध्यात्मिक छवि पर कीचड़ उछालने का काम पूरा हो चुका था। यह पूरी घटना दशार्ती है कि कैसे स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारिता और यूट्यूबरों का एक बड़ा धड़ा केवल हेडलाइन हंटिंग और सनसनी के लिए तथ्यों की मयार्दा को भूल जाता है। इसी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक महिला की डीपफेक और मॉर्फ्ड (छेड़छाड़ की गई) तस्वीरों का प्रकरण भी डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के दुरुपयोग और सोशल मीडिया पर फैलती अराजकता का एक बेहद गंभीर और डरावना उदाहरण था, जिसके खिलाफ कोर्ट में मामला चल रहा है इस प्रकार की बेलगाम और आक्रामक डिजिटल गतिविधियों की वजह से न केवल समाज शर्मसार होता है, बल्कि कई बार निर्दोष लोगों और सम्मानित परिवारों का पूरा जीवन तबाह हो जाता है। क्योंकि समाज बिना सोचे-समझे उस वायरल झूठ को ही परम सत्य मान लेता है, जिससे पीड़ित व्यक्ति मानसिक अवसाद, सामाजिक बहिष्कार और गहरी ग्लानि के चक्रव्यूह में फंस जाता है। डिजिटल मंचों पर होने वाली इस तरह की पब्लिक लिंचिंग और कंगारू कोर्ट की व्यवस्था के कारण सभ्य समाज की गरिमा तार-तार हो रही है।

सवाल यह उठता है कि समाज और देश के लिए इतना बड़ा खतरा बन चुके इन विवादित यूट्यूबरों पर समय रहते कड़ी और त्वरित कार्रवाई क्यों नहीं हो पाती है? इसके पीछे भारतीय डिजिटल कानूनों की जटिलता और मौजूदा नियामक तंत्र की कमियां सबसे बड़ी वजह हैं। भारत में पारंपरिक प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया और विभिन्न प्रसारण नियम कानून बने हुए हैं, लेकिन यूट्यूब, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे वैश्विक इंटरनेट मध्यस्थों (इंटरमीडियरीज) पर सीधे नियंत्रण की वैधानिक सीमाएं हैं। आईटी अधिनियम (इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट) की धारा 79 के तहत इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को सेफ हार्बर का संरक्षण प्राप्त है, जिससे वे अपने प्लेटफॉर्म पर यूजर द्वारा डाले गए कंटेंट की सीधी जिम्मेदारी से बच जाते हैं। इसके अतिरिक्त, इन यूट्यूबरों के खिलाफ मानहानि या समाज में द्वेष फैलाने के मामले दर्ज होने पर भी कानूनी प्रक्रिया इतनी लंबी और थकाऊ होती है कि त्वरित न्याय की उम्मीद धूमिल हो जाती है। जब तक किसी विवादित या भ्रामक वीडियो को ब्लॉक करने या हटाने की सरकारी या न्यायिक प्रक्रिया पूरी होती है, तब तक वह वीडियो इंटरनेट के कोने-कोने में फैल चुका होता है और जितना संभव होता है उतना नुकसान कर चुका होता है। इसके अलावा, विदेशी धरती से संचालित होने वाले सर्वर और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर मिलने वाले संवैधानिक संरक्षण का बेजा इस्तेमाल भी इन पर नकेल कसने की राह में बड़ा रोड़ा साबित होता है।

यूपी में प्रियंका की भूमिका को लेकर उठते सवाल

स्वदेश कुमार

उत्तर प्रदेश की सियासी पिच पर साल 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर भले ही बाहर से 'इंडिया' गठबंधन के अटूट होने का ढिंढोरा पीटा जा रहा हो, लेकिन परदे के पीछे जो कुछ पक रहा है, वह किसी पॉलिटिकल थ्रिलर से कम नहीं है। सतह पर मुकाबला सत्ताधारी बीजेपी से होना चाहिए, पर कांग्रेस के तेवर देखकर ऐसा लग रहा है मानो उनका असली निशाना भारतीय जनता पार्टी नहीं, बल्कि समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव हैं। दिल्ली के पावर गलियारों से लेकर लखनऊ के दफ्तरों तक, कांग्रेस जिस आक्रामक और जिद भरी शैली में जमीन मांग रही है, उसने राजनीतिक पंडितों को भी हैरान कर दिया है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या प्रियंका गांधी वाड्रा 2027 के इस बड़े दंगल में बीजेपी को शिकस्त देने के बजाय समाजवादी पार्टी की सियासी जमीन पर कब्जा करने की कोई सुनियोजित स्क्रिप्ट लिख रही हैं? इस पूरी पटकथा की टाइमिंग और चेहरों को गौर से देखा जाए तो कई राज से पर्दा उठता है। संसद भवन में राहुल गांधी और अखिलेश यादव की मुलाकात के बाद से ही यह साफ हो गया था कि उत्तर प्रदेश से जुड़े तमाम राजनीतिक और सांगठनिक फैसलों की धुरी पूरी तरह प्रियंका गांधी के हाथों में है। इस महत्वपूर्ण बैठक के तुरंत बाद जमीन पर जो बड़े फेरबदल हुए, वे किसी सामान्य प्रशासनिक बदलाव का हिस्सा नहीं बल्कि एक बड़े सियासी गेम प्लान का हिस्सा थे। कांग्रेस ने अपने आक्रामक तेवरों को धार देने के लिए ऐसे चेहरों को आगे करना शुरू कर दिया जो सीधे तौर पर सपा को असहज करने के लिए जाने जाते हैं। आम आदमी पार्टी का दामन छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए राजेंद्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया, तो वहीं तेज-तर्रार और हमेशा मुखर रहने वाले सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी गई। इसके साथ ही, सौम्य छवि वाली आराधना मिश्रा 'मोना' को प्रदेश अध्यक्ष की कमान देकर इस नई तिकड़ी को मैदान में उतारा गया। कांग्रेस ने इसके जरिए सवर्ण, दलित और मुस्लिम समीकरण साधने की कागजी कोशिश तो जरूर की, लेकिन इनके बयानों ने गठबंधन के भीतर भूचाल ला दिया है।

लखनऊ की धरती पर कदम रखते ही नवनियुक्त प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि कांग्रेस कोई छोटी-मोटी पार्टी नहीं है और वह आगामी विधानसभा चुनाव में आधे से कम सीटों पर किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगी। उनके इस बयान के बाद इमरान मसूद ने तो जैसे मोर्चा ही खोल दिया। वह हर रोज मीडिया के तीखे कैमरों के सामने अखिलेश यादव की रणनीति, कार्यशैली और सीटों के बंटवारे पर सवाल खड़े करते नजर आते हैं। यहाँ आंकड़ों के आईने में कांग्रेस के इन दावों की हकीकत भी टटोलनी बेहद जरूरी हो जाती है। साल 2024 के लोकसभा चुनावों के परिणामों को अगर हम याद करें, तो जब अखिलेश यादव ने बड़े दिल का परिचय देते हुए कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में 17 सीटें दी थीं, तब कांग्रेस इनमें से सिर्फ 6 सीटों पर ही जीत का स्वाद चख पाई थी। इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी ने अकेले अपने दम पर 37 सीटों पर शानदार परचम लहराकर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी होने का लोहा मनवाया था। लोकसभा चुनाव के इस जमीनी और बेहद कड़वे आंकड़े को पूरी तरह दरकिनार करके यदि कोई दल विधानसभा चुनाव में डेढ़ सौ सीटों की मांग या अत्यधिक दबाव की राजनीति करे, तो इसे सियासी नासमझी कहें या कोई गहरी साजिश? दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस नेताओं की इस लगातार बयानबाजी और खुले हमलों पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं। वह खुद सीधे तौर पर इन बयानों पर कुछ कहने से बच रहे हैं और अपनी पार्टी के अन्य नेताओं या प्रवक्ताओं के जरिए नपा-तुला पलटवार करवा रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव की यह खामोशी उनकी कोई कमजोरी नहीं, बल्कि एक बेहद सोची-समझी और परिपक्व रणनीति है। वह अच्छी तरह भांप चुके हैं कि यदि उन्होंने इस वक्त कोई भी तीखा या आक्रामक पलटवार किया, तो सारा ठीकरा विपक्षी कलह पर फूट जाएगा और बीजेपी को इसका सीधा राजनीतिक फायदा मिल जाएगा। लेकिन इसके बावजूद, सपा के अंदरखाने कार्यकताओं और स्थानीय नेताओं में इस बात को लेकर जबरदस्त उबाल है कि जिस पार्टी का खुद का जनाधार यूपी में लगातार सिमट चुका है, वह इतनी बड़ी हैसियत की मांग किस बिना पर कर रही है।

कांग्रेस की यह जिद और अकेले दम पर अपनी शर्तों पर राजनीति करने की आदत कोई नई नहीं है। इसके इतिहास के पन्नों को पलटेंगे तो ऐसी कई मिसालें मिलेंगी जहाँ कांग्रेस ने अपने ही सहयोगियों की लुटिया डुबोई है और गठबंधन धर्म को तार-तार किया है। साल 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव के इतिहास को ही देख लीजिए, तब समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को सम्मानजनक रूप से 105 सीटें दी थीं, लेकिन कांग्रेस ने जिद पकड़कर 114 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर दिए, जिसका नतीजा यह हुआ कि गठबंधन का पूरा चुनावी माहौल खराब हो गया और अंततः बीजेपी ने प्रचंड बहुमत की सरकार बना ली। यही नहीं, साल 2022 के विधानसभा चुनावों में जब प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने अपनी ताकत दिखाने के लिए सभी 403 सीटों पर अकेले ताल ठोकी थी, तब पार्टी का ऐसा सूपड़ा साफ हुआ कि रायबरेली और अमेठी जैसी पारिवारिक वीआईपी सीटों पर भी जमानतें खतरे में पड़ गईं और कुल वोट शेयर सिमटकर महज 2.34 प्रतिशत पर आ गया। इतने बड़े धक्के के बाद भी यदि कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व क्षेत्रीय दलों के साथ टकराव का रास्ता अपनाता है, तो यह उसकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही उजागर करता है। कांग्रेस की इस प्रवृत्ति का असर केवल उत्तर प्रदेश तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि देश के दूसरे राज्यों में भी 'इंडिया' गठबंधन के भीतर इसकी कई बानगी देखने को मिल चुकी है। हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान भी अंतिम समय तक सीट बंटवारे को लेकर चली अंतहीन खींचतान के चलते राजद और कांग्रेस के प्रत्याशी आपस में ही 'फ्रेंडली फाइट' के नाम पर खुलकर भिड़ गए और उसका खामियाजा पूरे विपक्ष को उठाना पड़ा। ठीक इसी तरह, हरियाणा और पश्चिम बंगाल के चुनावों में भी क्षेत्रीय दलों के साथ ऐसा ही असहयोग वाला बर्ताव देखने को मिला, जहां कांग्रेस ने अपनी खोई हुई जमीन तलाशने के चक्कर में सहयोगियों की जीत की संभावनाओं को भी पूरी तरह पलीता लगा दिया।

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल हिंदी भाषी राज्य में, जहाँ बीजेपी जैसी मजबूत, अनुशासित और संसाधनों से लैस राजनीतिक मशीनरी से दो-दो हाथ करना है, यदि विपक्ष के भीतर ही सीटों के गणित और अहंकार को लेकर ऐसी तलवारें खिंची रहीं, तो यह मुकाबला परवान चढ़ने से पहले ही दम तोड़ देगा। बहरहाल, आराधना मिश्रा को आगे कर कांग्रेस भले ही रिश्तों में नरमी और समन्वय का दिखावा कर रही हो, लेकिन इमरान मसूद और राजेंद्र पाल गौतम जैसे नेताओं के तीखे और आक्रामक तेवर यह चीख-चीखकर बता रहे हैं कि 2027 के रण से पहले सीट शेयरिंग का यह दंगल अभी और भयानक रूप लेने वाला है। क्या प्रियंका गांधी की परदे के पीछे की यह जिद बीजेपी के मजबूत विजय रथ को रोकने में मददगार साबित होगी या फिर समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की इस नाव को बीच मझधार में ही डुबो देगी, यह तो आने वाला वक्त ही तय करेगा। फिलहाल, उत्तर प्रदेश की सियासी फिजाओं में एक ही सवाल सबसे बड़ा बना हुआ है कि क्या कांग्रेस अपनी पुरानी गलतियों से कोई सबक सीखेगी या फिर अपने ही सहयोगियों का भरोसा कुचलकर खुद को पूरी तरह हाशिए पर धकेल देगी?

मीरा-भायंदर मनपा में शिष्टाचार उल्लंघन पर राज्य सरकार की सख्त कार्रवाई

जांच रिपोर्ट के बाद अतिरिक्त आयुक्त प्रियंका राजपूत का तबादला, उप आयुक्त पद पर पदावनति

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर नगर निगम में सरकारी कार्यक्रमों के आयोजन के दौरान शिष्टाचार नियमों के कथित उल्लंघन के मामले में राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाइक द्वारा मामले में कार्रवाई की मांग किए जाने के बाद शहरी विकास विभाग ने जांच रिपोर्ट और शिष्टाचार विभाग की राय के आधार पर प्रशासनिक कार्रवाई की है। मामला 15 अप्रैल 2026 को मीरा-भायंदर पश्चिम स्थित खेल परिसर एवं सभागार भवन के उद्घाटन समारोह से जुड़ा है। आरोप है कि कार्यक्रम के निमंत्रण पत्र के मसौदे को ठाणे के निवासी उप जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल अधिकारी) से जांच एवं प्रमाणित कराए बिना ही प्रकाशित कर दिया गया। सामान्य प्रशासन एवं प्रोटोकॉल विभाग की राय में निमंत्रण पत्र में कैबिनेट मंत्री प्रताप सरनाइक का नाम निर्धारित शिष्टाचार एवं वरिष्ठता क्रम के अनुरूप सम्मानपूर्वक नहीं दर्शाए जाने को प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना गया। इसी तरह 5 मई 2026 को नगर निगम की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित श्रम दिवस अभिनंदन समारोह के निमंत्रण पत्र के मसौदे को भी निर्धारित प्रक्रिया और आधिकारिक अनुमोदन के बिना अंतिम रूप दिए जाने की बात जांच में सामने आई।

इन दोनों मामलों की जांच के लिए अतिरिक्त आयुक्त की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति गठित की गई थी। समिति ने 20 जुलाई 2026 की बैठक के बाद अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में लोक निर्माण विभाग, खेल विभाग तथा संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सामान्य प्रशासन विभाग के 20 नवंबर 2025 के परिपत्र और नगर आयुक्त के 11 मार्च 2026 के आदेशों के उल्लंघन का उल्लेख किया गया। अतिरिक्त आयुक्त का तबादला और पदावनति प्रोटोकॉल विभाग के सचिव डॉ. राजेश गावंडे तथा शहरी विकास विभाग के निर्देशों के आधार पर राज्य सरकार ने अतिरिक्त आयुक्त प्रियंका राजपूत को मीरा-भायंदर नगर निगम से हटाकर वसई-विरार नगर निगम में उप आयुक्त के पद पर नियुक्त किया है। आदेश के अनुसार यह पद उनके वर्तमान पद की तुलना में कनिष्ठ बताया गया है। उनके तबादले के बाद महाराष्ट्र नगर निगम अधिनियम की धारा 39-ए के तहत सचिन बंगर को तत्काल प्रभाव से मीरा-भायंदर नगर निगम का अतिरिक्त आयुक्त नियुक्त किया गया है। शहर अभियंता पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की तलवार लटकी हुई है जांच में खेल परिसर के उद्घाटन समारोह के निमंत्रण पत्र की सामग्री को वरिष्ठ अधिकारियों अथवा संबंधित विभाग से प्रमाणित कराए बिना अंतिम रूप देने के लिए शहर अभियंता दीपक खंबित की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया क्या होगी, इस पर अब निगाहें टिकी हैं। मंत्री सरनाईक बोले–प्रोटोकॉल उल्लंघन बर्दाश्त नहीं मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि प्रशासन जनता और लोकतांत्रिक व्यवस्था का सेवक है। सरकारी कार्यक्रमों में शिष्टाचार का पालन केवल किसी मंत्री या व्यक्ति के सम्मान का विषय नहीं, बल्कि नागरिकों और उनके निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के संवैधानिक पद के सम्मान से जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों की मनमानी और प्रोटोकॉल का उल्लंघन अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राज्य सरकार की यह कार्रवाई प्रशासन में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हुसेन पठाण भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मुंबई के महामंत्री बने

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को चुस्त चुस्त दुरुस्त बनाने के लिए अंधेरी पूर्व के जाने माने समाजसेवक और वरिष्ठ भाजपा नेता हुसेन पठाण को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मुंबई का महामंत्री नियुक्त किया है। पठाण की यह नियुक्ति मुंबई भाजपा के अध्यक्ष अमित साटम की अनुशंसा पर अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष वसीम खान द्वारा की गई है।

अपनी नियुक्ति पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए हुसेन पठाण ने कहा कि पार्टी ने जिस आशा और विश्वास के साथ मुझे इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी है ।उसे मद्देनजर रखते हुए संगठन का जनाधार बढ़ाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखुंगा।

पठाण को महामंत्री बनाए जाने पर अल्ताफ खान,हाजी असलम शेख,अमजद खान,सुरेश कथुरे, सोमनाथ राक्षे,अक्रम शेख, इरशाद अंसारी, सलीम शेख, राकेश गुप्ता, गोविंद पटेल, नितेश मोरे, नाना झिटे,अब्दुल्ला शेख, शाहनवाज पठाण सहित अनेक लोगों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें आगामी राजनीतिक भविष्य की शुभकामनाएं दी है। बता दें कि हुसेन पठाण लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी में विभिन्न पदों पर आसीन रहे हैं।

वरिष्ठ पत्रकार अशोक पाटोले बने कांग्रेस सोशल मीडिया के जिलाध्यक्ष

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया विभाग ने वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता अशोक रामराव पाटोले को भिवंडी शहर जिला कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। 3 अक्टूबर 2026 को प्रदेश कांग्रेस की ओर से जारी आदेश में यह नियुक्ति घोषित की गई। प्रदेश सोशल मीडिया विभाग के अध्यक्ष हृषीकेश पाटील के प्रस्ताव तथा भिवंडी शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष आबिद मुस्तफा खान की सिफारिश पर यह नियुक्ति की गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स विभाग की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ की मंजूरी के बाद राज्य के 14 जिलों में जिलाध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। अशोक पाटोले साप्ताहिक भिवंडी वृत्तनामा के संपादक हैं तथा वॉइस ऑफ मीडिया के साप्ताहिक विंग के ठाणे जिलाध्यक्ष भी हैं। वे लंबे समय से भिवंडी के सामाजिक, नागरिक, शैक्षणिक और जनहित से जुड़े मुद्दों को पत्रकारिता के माध्यम से उठाते रहे हैं। नई जिम्मेदारी के तहत वे कांग्रेस के संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं गतिविधियों को सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने और पार्टी संगठन तथा नागरिकों के बीच डिजिटल संवाद को बढ़ाने का कार्य करेंगे। उनकी नियुक्ति पर कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, पत्रकारों एवं सामाजिक क्षेत्र के लोगों ने बधाई दी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 312 से अधिक दिव्यांगों का किया गया यूडीआईडी पंजीयन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर की ओर से आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जव्हार तहसील में दिव्यांग सहायता एवं पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 312 से अधिक दिव्यांगजनों का UDID (यूनिक डिसेबिलिटी आईडी) एवं दिव्यांग प्रमाणपत्र के लिए पंजीयन किया गया। इस पहल से दिव्यांगजनों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने में बड़ी सहूलियत मिलेगी। शिविर के दौरान दिव्यांगजनों को आवश्यक चिकित्सा जांच, प्रमाणपत्र तथा UDID पंजीयन की प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। एक ही स्थान पर विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध होने से दूरदराज के क्षेत्रों से पहुंचे दिव्यांगजनों को काफी राहत मिली। इस अवसर पर प्रहार दिव्यांग क्रांति संस्था, पालघर के जिलाध्यक्ष एवं ओम साई दत्त विकलांग सेवा संस्था के संस्थापक-अध्यक्ष सुनील अ. गुप्ता ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी डॉक्टरों, कर्मचारियों एवं संबंधित पदाधिकारियों का मनःपूर्वक धन्यवाद किया। कार्यक्रम में प्रहार दिव्यांग क्रांति संस्था, पालघर के जिलाध्यक्ष एवं ओम साई दत्त विकलांग सेवा संस्था के संस्थापक-अध्यक्ष सुनील अ. गुप्ता, सुनील चुरी (तहसील अध्यक्ष, पालघर), सचिन तांडेल (कार्याध्यक्ष, तहसील डहाणू), जयेश मोरघा (तहसील अध्यक्ष, जव्हार), सुरेश थालकर (तहसील सचिव, जव्हार), देवराज सहाणे (जव्हार शहर अध्यक्ष), दिलीप दिघा (तहसील सचिव, जव्हारझओम साई दत्त विकलांग सेवा संस्था) तथा सचिन लोखंडे (तहसील कार्याध्यक्ष, जव्हारझओम साई दत्त विकलांग सेवा संस्था) सहित तहसील समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बंदूक की नोक पर निर्माण मजदूर का अपहरण, 10 लाख फिरौती वसूली

◆क्राइम डिटेक्शन सेल-3 विरार की बड़ी कार्रवाई, 24 घंटे में दो आरोपी गिरफ्तार; 40.75 लाख का माल बरामद

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। निर्माण मजदूर का अपहरण कर बंदूक की नोक पर जान से मारने की धमकी देते हुए 10 लाख नकद और सोने के आभूषण फिरौती के रूप में वसूलने वाले आरोपियों को मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की क्राइम डिटेक्शन सेल-3, विरार ने महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल क्रेटा कार, फर्जी नंबर प्लेट, 10 लाख नकद और 71.04 ग्राम सोने के आभूषण सहित करीब 40.75 लाख का माल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 2 अक्टूबर 2026 को आरोपी रोहित और उसके दो साथियों ने नालासोपारा पूर्व स्थित होटल रेड कार्पेट में एक निर्माण मजदूर को बुलाया था। आरोपियों ने निर्माण स्थल से गाद खरीदने का झांसा देकर उससे बातचीत की। इसी दौरान उसे जबरन काली क्रेटा कार क्रमांक एमएच-47/बीटी-9213 में बैठा लिया गया। आरोप है कि आरोपियों ने निर्माण मजदूर को रिवॉल्वर दिखाकर उसका अपहरण किया और जान से मारने की धमकी दी। उसकी रिहाई के बदले आरोपियों ने 10 लाख नकद और सोने के आभूषण देने के लिए दबाव बनाया। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पेल्हार पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 843/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर अपराध का पर्दाफाश करने के निर्देश दिए। इसके बाद क्राइम डिटेक्शन सेल-3 विरार की टीम ने घटनास्थल का दौरा कर समानांतर जांच शुरू की। तकनीकी जांच और गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर रोहित सुभाष जांगिड़ (27) और वंश शिवकुमार गुप्ता उर्फ मोनू (21) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल क्रेटा कार, फर्जी नंबर प्लेट, शिकायतकर्ता से वसूले गए ?10 लाख नकद तथा 71.04 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए। बरामद संपत्ति की कुल कीमत लगभग ?40.75 लाख बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पेल्हार पुलिस स्टेशन के हवाले किया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के साथ शस्त्र अधिनियम, 1959 की धारा 3 व 25 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 135(3) के तहत भी कार्रवाई की गई है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिंत्रे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोइफोडे तथा सहायक पुलिस आयुक्त नितिन पाटिल के मार्गदर्शन में की गई। क्राइम डिटेक्शन सेल-3 और साइबर पुलिस स्टेशन की टीम ने तकनीकी जांच, गोपनीय सूचना तथा त्वरित कार्रवाई के जरिए मामले का पर्दाफाश किया। पुलिस अधिकारियों ने टीम के इस प्रदर्शन की सराहना की है।

मंगेश पाष्टे का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया, मीरा रोड में पत्रकारों व शुभचिंतकों ने दी जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

मीरा रोड (उत्तरशक्ति)। समाजसेवी एवं शिवसेना विभाग प्रमुख, प्रभाग क्रमांक 14 के मंगेश पाष्टे का जन्मदिन बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। मीरा रोड-काशीमीरा स्थित वेस्टर्न होटल में आयोजित कार्यक्रम में केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर पत्रकार तारकेश्वर पांडे, विनोद जोशी, प्रभाकर गिरी, जिशांत कुमार, आबाजी सावंत, सुरेश गायकवाड़, उमेश हरसवाल, वसीम भाई, प्रवीण कांबले तथा यश कांबले सहित अन्य उपस्थित लोगों ने मंगेश पाष्टे को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। जन्मदिन समारोह के दौरान आपसी सौहार्द और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

स्मिथ एंड जोन्स ने अभिनेत्री रसिका दुगल के साथ लॉन्च किया नया कैंपेन, उपभोक्ताओं को उनके अदरक-लहसुन पेस्ट के बारे में जागरूक करने की पहल

मुंबई/पटना। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रमुख फूड ब्रांड स्मिथ एंड जोन्स ने अभिनेत्री रसिका दुगल के साथ अपना नया कैंपेन लॉन्च किया है। भारत का नंबर-1 कुकिंग पेस्ट यानी 'स्मिथ एंड जोन्स जिंजर गार्लिक पेस्ट' बनाने वाले इस ब्रांड के नए कैंपेन का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बड़े ही मजेदार और दिलचस्प अंदाज में समझाना है कि उन्हें पेस्ट खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। आज मार्केट में अदरक-लहसुन पेस्ट के ढेरों विकल्प मौजूद हैं, लेकिन ग्राहकों के लिए यह समझ पाना आज भी मुश्किल है कि कौन सा उत्पाद बेहतर है। इसी उलझन को दूर करने के लिए इस कैंपेन में एक आसान विजुअल टेस्ट दिखाया गया है। इसके जरिए उपभोक्ता बिना किसी झंझट के एक गाढ़े, असली पेस्ट और पानी जैसे पतले पेस्ट का फर्क साफ देख सकते हैं, ताकि वे सोच-समझकर सही खरीदारी कर सकें। इस पूरे कैंपेन का दिलचस्प निचोड़ यही है– 'हो गया न पेस्ट का पेस्ट और पानी का पानी।' कैंपेन के बारे में, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की प्रेसिडेंट (पैकेज्ड फूड्स, कैपिटल फूड्स एंड सोलफुल) सुश्री दीपिका भान ने कहा, रसोई में कुछ नया ट्राई करना या अलग-अलग चीजों के साथ नए प्रयोग करना कई बार लोगों को थोड़ा उलझन भरा लगता है।

विरार-अलिबाग कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण का विरोध; भिवंडी-वसई मार्ग पर दो घंटे यातायात प्रभावित

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। विरार-अलिबाग मल्टीमॉडल कॉरिडोर परियोजना के लिए होने वाले भूमि अधिग्रहण के विरोध में भिवंडी तालुका के खारबाव में स्थानीय भूमिपुत्र किसान संगठन की ओर से रास्ता रोको आंदोलन किया गया। किसानों ने आरोप लगाया कि उनकी जमीन के बदले शासन की ओर से बेहद कम मुआवजा दिया जा रहा है। उन्होंने बाजार भाव के अनुरूप उचित मुआवजा देने की मांग की। आंदोलन में खारबाव सरपंच महेंद्र पाटील, वसंत पाटील, सुमित सुरेश म्हात्रे, हर्षल पाटील, दिपाली काटे, मनोज म्हात्रे, बाळा पाटील, अशोक पालकर, रमेश कारभारी और सुनील चव्हाण सहित बड़ी संख्या में किसान व ग्रामीण शामिल हुए।

किसानों ने कहा कि कॉरिडोर बनने के बाद मार्ग के दूसरी ओर स्थित खेतों तक पहुंचने के लिए रास्ता नहीं बचेगा। इसलिए किसानों के लिए स्वतंत्र सड़क, अंडरपास अथवा पर्याप्त कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना जरूरी है। करीब दो घंटे चले आंदोलन के कारण भिवंडी-वसई मार्ग पर दोनों दिशाओं में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात प्रभावित हुआ। किसान दिपाली काटे ने कहा कि इसी क्षेत्र से बुलेट ट्रेन का मार्ग भी गुजर रहा है। उनके अनुसार, बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए करीब 11 लाख रुपये प्रति गुंठा दर बताया जा रहा है, जबकि विरार-अलिबाग कॉरिडोर के लिए करीब 4 लाख रुपये प्रति गुंठा मुआवजा दिया जा रहा है। किसानों की मांग है कि उन्हें भी उचित दर दिया जाए। हर्षल पाटील ने कहा कि मांगें मंजूर नहीं हुईं तो किसान परियोजना के लिए अपनी जमीन देने पर सहमत नहीं होंगे।

मनपा क्षेत्र में अवैध बांधकाम की बाढ़, आयुक्त के आदेश बेअसर

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगरपालिका क्षेत्र में अवैध निर्माण का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक ओर मनपा आयुक्त द्वारा अवैध इमारतों पर कार्रवाई और उन्हें ध्वस्त करने के निर्देश दिए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कई प्रभागों में इन आदेशों की खुलेआम अनदेखी किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। बताया जाता है कि महापालिका चुनाव के बाद शहर के विभिन्न प्रभागों में अवैध बांधकाम तेजी से बढ़ा है। कई पुरानी इमारतों पर नियमों को ताक पर रखकर दो से तीन अतिरिक्त मंजिलें खड़ी किए जाने की भी चर्चा है।

इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से मनपा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, कुछ प्रभागों में बीट निरीक्षकों की कथित मिलीभगत से अवैध निर्माण को संरक्षण मिलने की शिकायतें हैं। आरोप है कि कुछ निरीक्षक बिल्डरों को कार्रवाई से बचाने का आश्वासन देकर आर्थिक लाभ लेते हैं। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। शहर में लगातार बढ़ रहे अवैध निर्माण से न केवल शहर की नियोजन व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा का सवाल भी खड़ा हो रहा है। नागरिकों ने मनपा आयुक्त से अवैध बांधकामों की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित बिल्डरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की अपेक्षा कर रहे है।

पालघर समुद्री तट पर चलाया गया सागरी कवच अभियान, नागरी संरक्षण दल ने संभाली सुरक्षा की जिम्मेदारी

पालघर(उत्तरशक्ति)। समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से पालघर जिले की तटीय पट्टी में 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को सागरी कवच अभियान-2026 चलाया गया। अभियान में महाराष्ट्र राज्य नागरी संरक्षण विभाग के अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए तटीय क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी में सहयोग किया।

महाराष्ट्र राज्य नागरी संरक्षण दल के पालघर जिला उपनियंत्रक के. आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन में पालघर विभाग के अंतर्गत सातपाटी, केलवे, तारापुर और डहाणू पुलिस थाना क्षेत्रों में नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों की तैनाती की गई। पालघर विभागीय क्षेत्ररक्षक निलेश सुदाम वझे सहित अन्य स्वयंसेवकों ने अभियान में सहभागिता निभाई। अभियान के दौरान तटीय इलाकों में सुरक्षा जांच, निगरानी और गश्त बढ़ाई गई। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर नागरिकों से सुरक्षा एजेंसियों को सहयोग करने की अपील की गई। वहीं मछुआरों को समुद्र में जाते समय अपना पहचान पत्र तथा नाव से संबंधित आवश्यक दस्तावेज साथ रखने के निर्देश दिए गये। प्रशासन की ओर से नागरिकों से जांच के दौरान संयम बनाये रखने तथा किसी भी तरह की अप्रमाणित जानकारी या अफवाहों को सोशल मीडिया पर प्रसारित नहीं करने का भी आहवान किया गया। अभियान के दौरान पालघर पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख के नेतृत्व में अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले, सातपाटी पुलिस थाने के सहायक पुलिस उपनिरीक्षक उद्धव सुर्वे तथा आपदा प्रबंधन अधिकारी विवेकानंद कदम ने भी तटीय क्षेत्र का दौरा कर अभियान में सहभागी अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया।

पालघर जिले में वाचन संस्कृति को बढ़ावा, 45 मास्टर ट्रेनर्स को मिला प्रशिक्षण

जिले में 145 केंद्रस्तरीय पुस्तकालय, 8 आदर्श पुस्तकालय और 1,914 वाचन कोने स्थापित

पालघर(उत्तरशक्ति)। निपुण पालघर गुणवत्ता विकास अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने तथा विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करने के उद्देश्य से जिला परिषद पालघर के प्राथमिक शिक्षा विभाग और रूम टू रीड इंडिया ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न वाचन उपक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 5 और 6 अक्टूबर को दो दिवसीय जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें जिले के 45 मास्टर ट्रेनर्स ने सहभागिता कर पुस्तकालय प्रबंधन एवं विद्यार्थियों में वाचन रुचि विकसित करने संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला में केंद्रस्तरीय पुस्तकालय की संकल्पना, आदर्श पुस्तकालय, वाचन कोनों का प्रभावी प्रबंधन, पुस्तकों की उचित मांडणी, पुस्तक देवाण-घेवाण प्रक्रिया तथा विद्यार्थियों में नियमित वाचन की आदत विकसित करने वाले विभिन्न उपक्रमों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही बाल साहित्य का चयन, वाचन स्तर के अनुसार पुस्तकों का वर्गीकरण, वाचन कोने की रचना और पुस्तकालय अवधि के नियोजन पर भी विस्तार से मार्गदर्शन किया गया। विद्यार्थियों के वाचन कौशल को विकसित करने के लिए बड़े स्वर में वाचन, सामूहिक वाचन, जोड़ी से वाचन और स्वतंत्र वाचन जैसी प्रभावी पद्धतियों का प्रात्यक्षिक कराया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में वाचन प्रवाह, शब्दसंग्रह, आकलन क्षमता, चिकित्सक सोच तथा अपने विचार प्रभावी ढंग से व्यक्त करने की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया गया। कार्यशाला में निपुण भारत अभियान के उद्देश्यों और पुस्तकालय कार्यक्रम के बीच के संबंध को भी स्पष्ट किया गया। मौखिक भाषा विकास, शब्दसंग्रह, वाचन आकलन, लेखन के माध्यम से अभिव्यक्ति तथा आनंददायी एवं बालकेंद्रित शिक्षा में पुस्तकालय की भूमिका पर विशेष चर्चा हुई। वाचन कोना प्रमुख शिक्षक, वर्गशिक्षक तथा बाल पुस्तकालय व्यवस्थापन समिति की भूमिका और जिम्मेदारियों के संबंध में भी प्रशिक्षण दिया गया। पालघर जिले में इस उपक्रम के तहत 145 केंद्रस्तरीय पुस्तकालय, 8 आदर्श पुस्तकालय और 1,914 वाचन कोने स्थापित किये गये हैं। विद्यार्थियों को नियमित रूप से विविध प्रकार की पुस्तकें उपलब्ध कराकर उनमें निरंतर पढ़ने की आदत विकसित करना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। जिला परिषद पालघर की प्राथमिक शिक्षा अधिकारी सोनाली मातेकर ने कार्यशाला का दौरा कर प्रशिक्षण की समीक्षा की तथा प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि रूम टू रीड के सहयोग से जिले में वाचन संस्कृति को और मजबूत बनाने तथा प्रत्येक बच्चे को बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान प्राप्त कराने की दिशा में यह उपक्रम महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने निपुण पालघर गुणवत्ता विकास अभियान के तहत अधिक से अधिक विद्यार्थियों को निपुण बनाने के लिए स्कूलों से पुस्तकालय उपक्रमों का प्रभावी उपयोग करने का आहवान किया।

' तुम ही हो अपने जीवन के शिल्पकार ' सेमिनार में विद्यार्थियों को मिला प्रेरणादायी मार्गदर्शन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। सद्गुरु श्री वामनराव पै प्रणीत जीवनविद्या मिशन की ओर से संस्कार शिक्षण अभियान के अंतर्गत तुम ही हो अपने जीवन के शिल्पकार विषय पर विद्यार्थी मार्गदर्शन सेमिनार का आयोजन 5 अक्टूबर 2026 को परली वैजनाथ तहसील के चार विद्यालयों में सफलतापूर्वक किया गया। इस अभियान के माध्यम से कक्षा 5वीं से 7वीं तक के करीब 600 विद्यार्थियों को जीवनविद्या के तत्वज्ञान एवं जीवनमूल्यों का लाभ मिला।

यह सेमिनार श्री संस्कार विद्यालय, न्यू प्राथमिक विद्यालय, विद्यावर्धिनी विद्यालय तथा भेल सेकंडरी स्कूल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संबंधित विद्यालयों के संचालक, मुख्याध्यापक एवं शिक्षक उपस्थित रहे। विद्यालयों के पदाधिकारियों और शिक्षकों ने जीवनविद्या मिशन के इस उपक्रम की सराहना करते हुए कहा कि आज के विद्यार्थियों को इस प्रकार के अनमोल एवं संस्कारक्षम ज्ञान की नितांत आवश्यकता है। जीवनविद्या मिशन के मुख्यालय के मार्गदर्शन में वैशाली राणे के निर्देशन में वक्ता भक्ती बगवाडकर एवं नंदिनी गिरकर ने विद्यार्थियों को ज्ञान का महत्व, अध्ययन की प्रभावी पद्धतियां तथा बेहतर जीवन निर्माण के लिए आवश्यक जीवनमूल्यों पर प्रेरणादायी मार्गदर्शन दिया। संवादात्मक एवं आनंदपूर्ण वातावरण में आयोजित इस मार्गदर्शन सत्र से विद्यार्थियों में सफल एवं सकारात्मक जीवन के प्रति दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को अपने व्यक्तित्व एवं जीवन को सही दिशा देने, लक्ष्य निर्धारित करने तथा जीवन में अनुशासन, सकारात्मक सोच और अच्छे संस्कारों को अपनाने का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों ने भी सेमिनार में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए मार्गदर्शन का लाभ उठाया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जीवनविद्या मिशन के परली क्षेत्र के कार्यकर्ता रमाकांत निर्मले एवं डॉ. किशोर संखे का विशेष मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

गोद लिए गए ग्राम के प्राथमिक विद्यालय में मेडिकल कॉलेज जौनपुर ने चलाया विशेष स्वास्थ्य स्क्रीनिंग अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल के दिशा निर्देश पर कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 अनुज सिंह द्वारा महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव के प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 1 से 5 तक के छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की स्क्रीनिंग का विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की आंख, नाक, दांत तथा कुपोषण से संबंधित स्वास्थ्य जांच की जा रही है। स्क्रीनिंग अभियान के माध्यम से बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

इस अभियान का दायित्व कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की डॉ. पूजा पाठक द्वारा निर्वहन किया जा रहा है। उनके द्वारा विद्यालय में पहुंचकर बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी जांच एवं आवश्यक जानकारी संकलित की जा रही है।

महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल ने कहा कि चिकित्सा महाविद्यालय का उद्देश्य

केवल अस्पताल तक सीमित रहकर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना भी है। बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी उनके स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। इसी उद्देश्य से गोद लिए गए गांव (डाल्हनपुर, सिद्धिकपुर, सैदपुर गडऊर, कोठवार, जाशोपुर, जगदीशपुर अकबर, मिल्कोपुर, खम्मौरा एवं बहाउद्दीनपुर) में स्वास्थ्य जागरूकता, जांच एवं आवश्यक चिकित्सकीय सेवाओं को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि विद्यालयी बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान एवं उपचार से उनकी शिक्षा, शारीरिक विकास और जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक सुधार लाया जा सकता है। महाविद्यालय भविष्य में भी गोद लिए गए गांव के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। पूरे स्वास्थ्य स्क्रीनिंग अभियान में डॉ0 मुदित चौहान, डॉ0 नवीन कुमार, डॉ0 अनिल कुमार, डॉ0 आदर्श एवं एम0एम0डब्ल्यू0 रमाकान्त यादव, शिल्पा, उज्ज्वल व संतोष का विशेष योगदान रहा।

विद्यार्थियों की प्रतिभा का उत्सव है जीपीएल: कुलपति

खेल से विद्यार्थियों में विकसित होती है ऊर्जा अनुशासन

जीपीएल की तैयारी के संबंध हुई कुलपति सभागार में बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर प्रीमियर लीग (जीपीएल) के विश्वविद्यालय में आयोजन को लेकर गठित आयोजन टीम के साथ कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने बुधवार को कुलपति सभागार में बैठक की। बैठक में प्रतियोगिता की तैयारियों, विद्यार्थियों की सहभागिता, अतिथियों के स्वागत, अनुशासन और स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के भीतर सकारात्मक ऊर्जा और उत्साह का वातावरण बनाने के उद्देश्य से जौनपुर प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का जीवन केवल कक्षाओं और परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए उन्हें कैंपस लाइव में पढ़ाई के साथ खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और टीमवर्क से जोड़ना आवश्यक है।

उन्होंने कहा, जब मैं अपने विद्यार्थियों को मैदान में उत्साह, अनुशासन और टीम भावना के साथ देखता हूं, तो मुझे लगता है कि विश्वविद्यालय का वास्तविक जीवन यहीं दिखाई देता है। यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि हमारे बच्चों के सपनों, ऊर्जा और आत्मविश्वास का उत्सव है। हम चाहते हैं कि विद्यार्थी यहां से केवल जीतने की भावना लेकर न जाएं, बल्कि सहयोग, अनुशासन और एक-दूसरे का सम्मान करना भी सीखें।

कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों में स्किल डेवलपमेंट के लिए इसी प्रकार के अवसर लगातार उपलब्ध कराने होंगे। खेलों से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने का कौशल, अनुशासन और संघर्ष करने की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल गतिविधियां अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने भावुक अंदाज में कहा, यह विश्वविद्यालय केवल प्रशासन या कुछ अधिकारियों का नहीं, बल्कि हम सभी का है। इसकी उपलब्धियां हमारी सामूहिक उपलब्धियां हैं और इसकी समस्याएं भी हम सबकी साझा जिम्मेदारी हैं। हम मिलकर समस्याओं का समाधान करेंगे और मिलकर इस आयोजन को सफल बनाएंगे। जीपीएल हमारा अपना कार्यक्रम है, इसे सफल बनाने में हर शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी की भूमिका महत्वपूर्ण है।

कुलपति ने आयोजन में आने वाले बाहरी अतिथियों के स्वागत और सुविधा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले अतिथि विश्वविद्यालय से अच्छी अनुभूति लेकर जाएं। आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था में अपनापन, सहयोग और संवेदनशीलता दिखाई देनी चाहिए।

बैठक में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए पहचान-पत्र अनिवार्य किए जाने पर भी चर्चा हुई। कुलपति ने विद्यार्थियों से अनुशासन के साथ कार्यक्रम में सहभागिता करने की अपील करते हुए कहा कि सभी विद्यार्थी अपना पहचान-पत्र साथ रखें और आयोजन की गरिमा बनाए रखने में सहयोग करें।

कार्यक्रम की व्यवस्थाओं के लिए प्रबंधन एवं फामेसी विभाग से स्वयंसेवकों का गठन किया गया है। ये स्वयंसेवक गेस्ट हाउस और हॉस्टल से लेकर खेल मैदान तक अतिथियों एवं प्रतिभागियों के आवागमन में सहयोग करेंगे।

बैठक में छात्र अधिष्ठाता प्रमोद कुमार यादव, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. रजनीश भाष्कर, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ. नितेश जायसवाल, सुशील कुमार, उद्देश्य सिंह, ईश्विका सिंह सहित आयोजन टीम के सदस्य और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

संस्थान के विकास के लिए त्याग, समर्पण जरूरी: प्रो.आर.के. सिंह

छात्रों की उपलब्धियां और शिक्षकों की टीम भावना से पीयू को मिलेगी नई ऊंचाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में बुधवार को कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं समग्र विकास को लेकर शिक्षक और संविदा शिक्षकों के संग महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की पहचान वहां के छात्रों, उनकी उपलब्धियों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों से होती है। विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए शिक्षकों में टीम भावना, सहयोग और संस्थान के प्रति समर्पण की भावना आवश्यक है।

कुलपति ने कहा कि सहायक प्रोफेसर सहित प्रत्येक शिक्षक को संस्थान की उन्नति में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। विश्वविद्यालय के विकास के लिए समय की बाध्यता से परे जाकर कार्य करने, नई पहल करने और जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान को आगे बढ़ाने के लिए त्याग, समर्पण और निरंतर प्रयास अनिवार्य हैं।

उन्होंने विश्वविद्यालय के उपलब्ध संसाधनों का विद्यार्थियों के हित में अधिकतम

उपयोग करने पर बल दिया। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के संसाधनों और विद्यार्थियों की प्रतिभा को उद्योग जगत से जोड़कर आर्थिक मजबूती की दिशा में भी कार्य किया जा सकता है। उद्योगों, संस्थानों और अन्य व्यावसायिक संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों को प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, रोजगार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

प्रो. सिंह ने कहा कि जेपीएल के माध्यम से की जा रही पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरूआत है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच उत्साहपूर्ण वातावरण तैयार करना और उन्हें रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है।

उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी पहलों से ही बड़े परिवर्तन की नींव रखी जाती है। विद्यार्थियों में उत्साह, नवाचार और सहभागिता का वातावरण तैयार कर विश्वविद्यालय के लिए एक मजबूत विकास-रोडमैप तैयार किया जाएगा। इसके लिए सभी विषयों और विभागों से सुझाव एवं इनपुट लिए जाएंगे। प्राप्त सुझावों के आधार पर एक नया आयोजन एवं कार्ययोजना तैयार कर उसका प्रभावी प्रेजेंटेशन किया जाएगा।

बैठक में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शैक्षणिक, प्रशासनिक और विकासात्मक विषयों पर भी चर्चा की गई। कुलपति ने सभी शिक्षकों और विभागों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से विश्वविद्यालय को शैक्षणिक उत्कृष्टता, विद्यार्थियों की उपलब्धियों और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई जा सकती है।

डॉ.वकील नजीर इण्टर कालेज में छात्राओं को बताए महिला अधिकार कानून, सतर्क रहने के मिले सुरक्षा टिप्स

◆ मानीकलां में मिशन शक्ति अभियान आयोजित

आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज क्षेत्र के डॉक्टर वकील नजीर इण्टर कॉलेज मानीकलां में बुधवार को मिशनशक्ति 5.0 अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, उनके अधिकारों और किसी भी परेशानी की स्थिति में पुलिस की मदद लेने के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम में छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न हेल्पलाइन, सरकारी योजनाओं और अधिकारों की जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराध, सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल तथा अनजान लोगों से सतर्क रहने के प्रति जागरूक किया गया। छात्राओं से किसी भी तरह की छेड़खानी, उत्पीड़न या अन्य समस्या होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की गई। पुलिस टीम में उपनिरक्षक रवीन्द्रनाथ तिवारी मानीकलां चौकी इंचार्ज शैलेन्द्र कुमार राय प्रियंका गुप्ता, रन्जु, अभिमन्यु सिंह, शैलेश यादव शामिल रहे। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस की ओर से लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। छात्राओं को निर्भीक होकर अपनी समस्या बताने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान प्रबंधक डॉ वकील नजीर अहमद, उप प्रबंधक मोहम्मद राफे समीम अहमद, प्रधानाचार्य उमेश चन्द्र सिंह समेत विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नहर फ्लाईओवर निर्माण के दौरान लिंक रोड बदहाल

भारी मशीनों और बड़ी गाड़ियों की आवाजाही से सड़क क्षतिग्रस्त, शिकायत के बाद भी नहीं हुआ सुधार

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सिंचाई विभाग द्वारा कराए जा रहे नहर फ्लाईओवर निर्माण कार्य के दौरान लिंक रोड की हालत लगातार खराब होती जा रही है। निर्माण कार्य में लगी बड़ी मशीनों, पोकलेन और भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से सड़क को नुकसान पहुंच रहा है।

बताया जा रहा है कि ग्राम प्रधान द्वारा सड़क की खराब स्थिति को लेकर सिंचाई विभाग के उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर पहले ही अवगत कराया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद अभी तक सड़क की मरम्मत या सुधार की दिशा में ठोस पहल नहीं हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि

आए दिन बड़ी मशीनें और भारी वाहन इसी लिंक रोड से गुजर रहे हैं, जिससे सड़क की स्थिति और खराब होती जा रही है। इससे ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों की मांग है कि निर्माण कार्य के साथ-साथ सड़क की सुरक्षा और मरम्मत की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाए तथा क्षतिग्रस्त सड़क को जल्द दुरुस्त कराया जाए। प्रार्थना पत्र देने के बाद भी सड़क जस की तस–आखिर जिम्मेदार अधिकारी कब लेंगे संज्ञान।

यशवीर सिंह होंगे जौनपुर के नए पुलिस अधीक्षक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शासन ने बुधवार को 20 आईपीएस

अधिकारियों के तबादले किए हैं। शासन की तबादला सूची के अनुसार वर्ष 2013 बैच के आईपीएस अधिकारी यशवीर सिंह को बस्ती के पुलिस अधीक्षक पद से स्थानांतरित कर जौनपुर का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। वहीं जौनपुर के वर्तमान पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह को पुलिस अधीक्षक, पीएसी मुख्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पद पर स्थानांतरित किया गया है। पुलिस विभाग में हुए इस व्यापक फेरबदल में जौनपुर के साथ बस्ती, गाजीपुर, बलिया, मऊ, बाराबंकी, मुजफ्फरनगर, बागपत, हापुड़ और जालौन समेत कई जिलों के पुलिस कप्तानों की तैनाती बदली गई है।

वाराणसी में 25 अक्तूबर को पीएम मोदी का युवाओं से संवाद, 30 हजार Gen-Z होंगे शामिल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अक्तूबर को वाराणसी में करीब 30 हजार Gen-Z युवाओं से संवाद कर सकते हैं। यह कार्यक्रम प्रस्तावित एयर शो के दौरान होने वाले प्रमुख आयोजनों में शामिल होगा। 25 अक्तूबर को वाराणसी में एयर शो का मुख्य समारोह प्रस्तावित है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी शामिल होने की संभावना है।

सीएचसी के मुख्य गेट पर गड्ढे, आसपास गंदगी से परेशानी

अस्पताल पहुंचने वाले मरीज और तीमारदार हो रहे परेशान

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य गेट पर बने गड्ढे और अस्पताल परिसर के आसपास फैली गंदगी से अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों और तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य गेट के पास सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने से लोगों को आवागमन में दिक्कत होती है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और खराब हो जाती है।

सीएचसी में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इलाज और जांच के लिए पहुंचते हैं। अस्पताल में आने वाले मरीजों में बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे भी शामिल होते हैं। मुख्य गेट के पास बने गड्ढों से होकर गुजरना उनके लिए परेशानी भरा रहता है। दोपहिया और चारपहिया वाहनों के आवागमन में भी दिक्कत होती है।

वहीं मुख्य गेट के आसपास और अस्पताल परिसर के इर्द गिर्द गंदगी और झाड़-झंखाड़ जमा होने से सफाई व्यवस्था भी प्रभावित नजर आती है। लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र जैसे महत्वपूर्ण स्थान

के प्रवेश मार्ग पर साफ-सफाई और बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि अस्पताल आने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।

स्थानीय लोगों के मुताबिक मुख्य गेट के आसपास एंव अस्पताल के बाउन्ड्री के अन्दर लंबे समय से गंदगी की स्थिति बनी हुई है। नियमित सफाई नहीं होने से कूड़ा और घास-पूस जमा हो रहा है। बारिश होने पर आसपास का माहौल और खराब हो जाता है। इससे अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके साथ आने वाले तीमारदारों को परेशानी उठानी पड़ती है।

स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से मुख्य गेट के आसपास नियमित सफाई कराने, झाड़-झंखाड़ हटवाने और गड्ढों को भरवाकर रास्ते को दुरुस्त कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि अस्पताल के प्रवेश मार्ग को साफ और व्यवस्थित रखने से मरीजों को राहत मिलेगी और स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था भी बेहतर नजर आएगी।

छात्र हितों की लड़ाई में ठरवकका कुनबा मजबूत, दर्जनों छात्रों ने ग्रहण की सदस्यता

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर संघर्ष को तेज करने के उद्देश्य से बुधवार को ठरवक का सदस्यता अभियान चलाया गया। जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता के नेतृत्व में दर्जनों छात्रों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण कर छात्र हितों की आवाज को मजबूती देने का संकल्प लिया।इस दौरान जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता ने कहा कि छात्रों की समस्याओं, अधिकारों और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए ठरवक लगातार संघर्ष कर रही है। शिक्षा, रोजगार, छात्रवृत्ति, परीक्षा व्यवस्था और विश्वविद्यालयों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि

छात्रों के अधिकारों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संगठन आने वाले दिनों में छात्रों के बीच संवाद, जनसंपर्क और जागरूकता अभियान को और व्यापक करेगा।उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज दबाने की किसी भी कोशिश का लोकतांत्रिक तरीके से पुरजोर विरोध किया जाएगा। छात्र हितों की समस्याओं के समाधान के लिए ठरवक सड़क से लेकर लोकतांत्रिक मंचों तक संघर्ष जारी रखेगी।सदस्यता ग्रहण करने वालों में अनुज यादव, वैभव सिंह, प्रतीक जायसवाल, शिवांशु राय, अनुभव सिंह, युग केशरी, आदित्य पांडेय, हिमांशु, कृतार्थ शुक्ला, शशांग, आयुष पांडेय, उज्ज्वल, विशेष कुमार, कृष्णा मिश्रा, बाली और निगम राजभर समेत अन्य छात्र शामिल रहे। सभी ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए छात्र हितों की लड़ाई को और तेज करने का संकल्प लिया।इस मौके पर व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राहुल जैन, यूथ कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा, ठरवक जिला उपाध्यक्ष शौम सोनकर समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सपा का विशाल मार्च

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर बुधवार को सपा जौनपुर ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विशाल मार्च एवं प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरूआत पीडब्ल्यूडी तिराहा स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने से हुई। इसके बाद सपाजन अंबेडकर तिराहा स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क पहुंचे और बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। यहां से कलेक्ट्रेट तक विशाल मार्च निकाला गया। इस दौरान कार्यकताओं ने ह्यवोट बचाओ-संविधान बचाओह्व, ह्यलोकतंत्र की हत्या बंद करोह्व, ह्यउएउ इस्तीफा दोह्व और ह्यज्ञानेश कुमार इस्तीफा दोह्व जैसे नारे लगाए।

कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचने के बाद मार्च धरना-सभा में परिवर्तित हो गया। सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मतदाता सूची से करोड़ों मतदाताओं के नाम काटे जाने और कथित वोट चोरी के मामले में चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, ह्लज्ञानेश कुमार ने जो अपराध किया है, वह अक्षम्य है। उनके विरुद्ध मुकदमा चलाया जाए और उन्हें जेल भेजा जाए।ह्व

सभा को पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई, विधायक लकी यादव, विधायक डॉ. रागिनी सोनकर, विधायक पंकज पटेल, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व विधायक राजनारायण बिंद, मोहम्मद अरशद खान, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, पूर्व मंत्री संगीता यादव, डॉ. अवधनाथ पाल, राकेश अहीर, विवेक रंजन यादव समेत कई नेताओं ने संबोधित किया और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग उठाई।

प्रदर्शन के दौरान यूथ संगठनों के जिलाध्यक्ष गुड्डू सोनकर, आनंद गुप्ता, दिलीप प्रजापति और अशोक यादव ने अपने पदाधिकारियों के साथ पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। इसके बाद सपा का सात सूत्री मांगपत्र जिलाधिकारी के माध्यम से सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा गया।

कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। अंत में विधायक डॉ. रागिनी सोनकर के नेतृत्व में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। धरने में बड़ी संख्या में पार्टी के वरिष्ठ नेता, जिला पदाधिकारी, विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेवा संकल्प सभा के बाद निकली सेवा ज्योति यात्रा, उमड़ा कार्यकताओं का हुजूम

कलश उद्घाटन के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना हुई यात्रा, 'सेवा ही संगठन' के नारों से गूंजा शहर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित सेवा संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा का भव्य आयोजन बुधवार को हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की, जबकि प्रदेश उपाध्यक्ष शंकर गिरी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष पंकज मिश्र ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ बड़ी एलईडी स्क्रीन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबिन के संबोधन के सीधे प्रसारण से हुआ। इसके बाद उपस्थित कार्यकताओं और जनसमूह ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान का गायन किया। राष्ट्रगान के दौरान पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से ओत-प्रोत नजर आया।

राष्ट्रगान के बाद मुख्य अतिथि, जिलाध्यक्ष एवं मंचस्थ अतिथियों ने चौराहे पर स्थापित पवित्र कलश का विधिवत उद्घाटन किया। इसके उपरांत हरी झंडी दिखाकर सेवा ज्योति यात्रा को रवाना किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल हुए। 'सेवा ही संगठन' एवं राष्ट्रसेवा के नारों से वातावरण गूंजता रहा।

यात्रा हाई डील चौराहे से शुरू होकर अंबेडकर चौराहा, कलेक्ट्रेट तिराहा, लाइन बाजार तिराहा और खरका कॉलोनी होते हुए पुनः हाई डील चौराहे पहुंचकर संपन्न हुई। रास्ते में स्थानीय नागरिकों ने भी यात्रा का स्वागत किया।

सेवा संकल्प सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष शंकर गिरी ने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र ह्यसेवा ही संगठनह्व है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनसेवा के प्रति समर्पित है। सेवा ज्योति यात्रा के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवा भाव को घर-घर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने सभी अतिथियों और कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की रीढ़ समर्पित कार्यकर्ता हैं। सेवा ज्योति यात्रा के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सहायता और विकास पहुंचाने का संकल्प और मजबूत हुआ है।

जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता 'सेवा ही संगठन' के मूल मंत्र पर काम कर रहा है। केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यात्रा का उद्देश्य सेवा भाव को मजबूत करना और सरकार के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना है।

इस अवसर पर रमेश चंद्र मिश्र, रमेश सिंह, सीमा द्विवेदी, कृपा शंकर सिंह, सुषमा पटेल, मनोरमा मौर्य, सुरेंद्र प्रताप सिंह, मछलीशहर जिलाध्यक्ष अजय सिंह, जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता, संदीप तिवारी, अमित श्रीवास्तव, परविंदर चौहान, नीरज मौर्य, विकास शर्मा, अंशु कुशवाहा, धर्मेंद्र मिश्र, आमोद सिंह, अमरनाथ पांडेय, रामसूरत मौर्य, रोहन सिंह, घनश्याम यादव सहित पार्टी के पदाधिकारी, ब्लॉक प्रमुख, मंडल अध्यक्ष, विभिन्न मोर्चों के कार्यकर्ता एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अभिनेत्री रसिका दुगल के साथ लॉन्च किया नया कैंपेन

मुंबई। प्रमुख फूड ब्रांड स्मिथ एंड जोन्स ने अभिनेत्री रसिका दुगल के साथ अपना नया कैंपेन लॉन्च किया है। भारत का नंबर-1 कुकिंग पेस्ट यानी 'स्मिथ एंड जोन्स जिंजर गार्लिक पेस्ट' बनाने वाले इस ब्रांड के नए कैंपेन का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बड़े ही मजेदार और दिलचस्प अंदाज में समझाना है कि उन्हें पेस्ट खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। आज मार्केट में अदरक-लहसुन पेस्ट के ढेरों विकल्प मौजूद हैं, लेकिन ग्राहकों के लिए यह समझ पाना आज भी मुश्किल है कि कौन सा उत्पाद बेहतर है। इसी उलझन को दूर करने के लिए इस कैंपेन में एक आसान विजुअल टेस्ट दिखाया गया है। इसके जरिए उपभोक्ता बिना किसी झंझट के एक गाढ़े, असली पेस्ट और पानी जैसे पतले पेस्ट का फर्क साफ देख सकते हैं, ताकि वे सोच-समझकर सही खरीदारी कर सकें। इस पूरे कैंपेन का दिलचस्प निचोड़ यही है 'हो गया न पेस्ट का पेस्ट और पानी का पानी।' सुश्री दीपिका भान, प्रेसिडेंट, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की (पैकेज्ड फूड्स, कैपिटल फूड्स एंड सोलफुल) ने कहा,रसोई में कुछ नया ट्राई करना या अलग-अलग चीजों के साथ नए प्रयोग करना कई बार लोगों को थोड़ा उलझन भरा लगता है। लेकिन 'स्मिथ एंड जोन्स' के साथ हम कुकिंग को बहुत आसान और मजेदार बनाना चाहते हैं। हमारी यह नई मुहिम भी इसी भरोसे को दर्शाती है। हेवल पटेल, सीओओ-द वूम्ब ने कहा,''स्मिथ एंड जोन्स' अदरक-लहसुन पेस्ट मार्केट में सबसे आगे है। आज जब लोग इस पेस्ट को एक आम राशन के सामान की तरह देखते हैं, तब स्मिथ एंड जोन्स के पास ग्राहकों को जागरूक करने का एक बेहतरीन मौका था। हम उन्हें यह बताना चाहते थे कि असली स्वाद देने वाले अच्छे अदरक-लहसुन पेस्ट की पहचान कैसे की जाए।

HD Fire Protect Limited का IPO खुलेगा 13 अक्टूबर को

मुंबई। HD Fire Protect Limited (कंपनी) अपने इक्विटी शेयरों के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO) के लिए बिड/ऑफर मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026 को खोलेगी। बिड/ऑफर गुरुवार, 15 अक्टूबर 2026 को बंद होगा। एंकर इन्वेस्टर बिडिंग की तारीख सोमवार, 12 अक्टूबर 2026 होगी।

कम से कम 55 इक्विटी शेयरों के लिए बिड की जा सकती है और उसके बाद 55 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बिड की जा सकती है। प्राइस बैंड प्रति इक्विटी शेयर रु. 258 से रु. 271 तय किया गया है। इस ऑफर में प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर्स द्वारा रु. 5 की फेस वैल्यू वाले 26,284,500 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री के लिए ऑफर (OFS) शामिल है। इसमें हरीश नरशी धर्मशी द्वारा रु. 5 की फेस वैल्यू वाले 8,983,700 इक्विटी शेयरों तक और कुसुम हरीश धर्मशी द्वारा रु. 5 की फेस वैल्यू वाले

17,300,800 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री के लिए ऑफर शामिल है। इस ऑफर में कोई नया इश्यू (Fresh Issue) शामिल नहीं है। एम्प्लॉई रिजर्वेशन पोर्शन (कर्मचारी आरक्षण हिस्सा) में बोली लगाने वाले योग्य कर्मचारियों को प्रति इक्विटी शेयर रु. 25 की छूट दी जा रही है।

यह ऑफर बुक बिल्डिंग प्रोसेस के जरिए किया जा रहा है। यह प्रोसेस सिक्योरिटीज कॉन्ट्रैक्ट्स (रेगुलेशन) रूल्स, 1957 (संशोधित) ("SCRR") के नियम 19(2)(b) और SEBI ICDR रेगुलेशंस के रेगुलेशन 31 के साथ-साथ रएइकक्लऊफ्ररेगुलेशंस के रेगुलेशन 6(1) के अनुपालन में है। इसके तहत, SEBI ICDR रेगुलेशंस के रेगुलेशन 32(1) के अनुसार, नेट ऑफर का 50% से ज्यादा हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ("QIBs", और इस हिस्से को "QIB पोर्शन" कहा जाएगा) को आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध नहीं होगा। हालांकि, हमारी कंपनी के साथ सलाह-मशविरा करके, रएइक क्लऊफ्र रेगुलेशंस के अनुसार एंकर इन्वेस्टर्स को QIB पोर्शन का 60% तक हिस्सा अपने विवेक से आवंटित कर सकती है (एंकर इन्वेस्टर पोर्शन)। एंकर इन्वेस्टर हिस्से का 40% इस तरह से रिजर्व किया जाएगाः (i) घरेलू म्यूचुअल फंड के लिए 33.33% और (ii) जीवन बीमा कंपनियों और पेंशन फंड के लिए 6.67%। यह तब होगा जब घरेलू म्यूचुअल फंड या जीवन बीमा कंपनियों और पेंशन फंड से उस कीमत पर या उससे ज्यादा कीमत पर सही बोलियां (Bids) मिलें, जिस पर एंकर निवेशकों को शेयर अलॉट किए जाते हैं (एंकर इन्वेस्टर अलॉटमेंट प्राइस), और यह SEBI ICDR नियमों के अनुसार होगा।

तांभाड में फसल नुकसान पंचनामे का विधायक दिलीप लांडे ने किया निरीक्षण

भोर, पुणे। शिवसेना चांदिवली विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिलीप (मामा) लांडे ने पुणे जिले के भोर तालुका स्थित मौजे तांभाड गांव का दौरा कर सूखे की स्थिति और फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जारी फसल नुकसान पंचनामे की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया और संबंधित सरकारी अधिकारियों से स्थिति की जानकारी ली। इस अवसर पर उपविभागीय कृषि अधिकारी सुनील जाधव, तालुका कृषि अधिकारी शरद धर्माधिकारी, निवासी नायब तहसीलदार अरुण कदम, मंडल अधिकारी मनोज ढवळे, ग्राम राजस्व अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी तथा सहायक कृषि अधिकारी उपस्थित थे।

फसल नुकसान से प्रभावित किसानों की समस्याओं को जानने के बाद विधायक लांडे ने अधिकारियों को पंचनामे की प्रक्रिया सही, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही, नुकसानग्रस्त किसानों को सरकार के नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई तत्काल करने के निर्देश भी उन्होंने दिए। तांभाड क्षेत्र में खेतों का निरीक्षण करते हुए विधायक लांडे ने फसलों की स्थिति, नुकसान की मात्रा तथा किसानों के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं की जानकारी ली। सूखे की स्थिति के कारण किसानों को हो रहे नुकसान को देखते हुए प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ कार्य कर प्रभावित किसानों को राहत दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश उन्होंने दिए। इस अवसर पर तांभाड गांव के ग्रामीण और किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे। विधायक लांडे के दौरे से नुकसानग्रस्त किसानों की समस्याएं प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचने में मदद मिलेगी, ऐसी भावना ग्रामीणों ने व्यक्त की।

इंदौर में मंत्री विजयवर्गीय ने दिलवाया विकसित भारत का संकल्प, तिरंगा लेकर पहुंचे कार्यकर्ता

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा, जनकल्याण और सुशासन के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए बुधवार को इंदौर में सेवा ज्योति संकल्प कार्यक्रम हुआ।विजय नगर स्थित आईडीए ग्राउंड पर हजारों की संख्या में कार्यकर्ता और लोग पहुंचे। अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से विधायक के नेतृत्व में कार्यकर्ता तिरंगा लेकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे और प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन वर्चुअली सुना।सभा में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मालिनी गौड़, उषा ठाकुर, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मौजूद जनप्रतिनिधियों और कार्यकताओं को विकसित भारत का संकल्प दिलाया। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलन के साथ मशाल जलाई गई।भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा और यात्रा संयोजक विधायक रमेश मेंदोला ने बताया कि सेवा ज्योति यात्रा में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र का रथ सबसे आगे रहा। उसके पीछे कार्यकर्ता मशाल लेकर चले। कार्यकर्ता बाइक से अपनी-अपनी विधानसभा में पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए यात्रा निकाली। प्रत्येक बूथ से कार्यकर्ता बाइक पर लाभार्थियों को साथ लेकर आईडीए ग्राउंड पहुंचे थे। यहां सभी विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकताओं के लिए अलग-अलग ब्लॉक बनाए गए थे। भाजपा नेताओं ने सेवा ज्योति यात्रा को जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के कश्मीर आंदोलन से जोड़ा। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि डॉ. मुखर्जी ने कश्मीर में धारा 370 के विरोध में यात्रा निकाली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धारा 370 हटाए जाने को उनके संकल्प की पूर्ति के रूप में प्रस्तुत किया गया। इसी के तहत आईडीए ग्राउंड से मशाल को डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थल तक ले जाया गया, जहां विशाल सेवा ज्योति मशाल स्थापित की गई।कार्यक्रम के दौरान सफाईकर्मी अपनी मांगों को लेकर आईडीए ग्राउंड पहुंचे और प्रदर्शन किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करने की कोशिश भी की।आईडीए ग्राउंड पर विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकताओं के लिए अलग-अलग ब्लॉक बनाए गए थे। मंच के दायीं ओर विधानसभा-1, विधानसभा-5, विधानसभा-3, देपालपुर और महू के कार्यकताओं के बैठने की व्यवस्था थी। वहीं बाईं ओर विधानसभा-2, राऊ, विधानसभा-4 और सांवेर के कार्यकताओं के लिए ब्लॉक बनाए गए थे।

गुरु वंदन छात्र अभिनंदन एवं भारत को जानो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न

-मोहित दुबे

वसई (उत्तरशक्ति)। 4 अक्टूबर को सेठ विद्या मंदिर इंग्लिश हाई स्कूल, वसई ईस्ट में भारत विकास परिषद वसई शाखा द्वारा संस्कार प्रकल्प के अंतर्गत गुरु वंदन छात्र अभिनंदन एवं भारत को जानो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कुल 12 स्कूलों के 70 छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सौ. अंशु शर्मा, सब स्वप्न सिंह, प्रेक्षक श्रीराम लक्ष्मण नौलखा, अध्यक्ष सौ. स्वाति आचार्य, कोषाध्यक्ष सौ. प्रिया शुक्ला, संयोजिका सौ. प्रभा मंगला, साउथ संतोषी उनियाल, 100 नमिता साहू, हर्षवर्धन मंगला, संजय अग्रवाल, डीएस मिश्रा एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे। इस आयोजन का मूल उद्देश्य बच्चों में संस्कार, गुरु-शिष्य परंपरा एवं भारत के प्रति जागरूकता का निर्माण करना है। प्रतियोगिता में सहभागी सभी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम्‌ से की गई तथा समापन राष्ट्रगीत के साथ किया गया।

भायंदर में सीआरपीसी का विशेष कार्यक्रम, नई ऊंचाइयों का संकल्प

मुंबई/भायंदर। कुछ आयोजन सिर्फ कार्यक्रम नहीं होते, बल्कि वे भविष्य की दिशा तय करने वाले अवसर बन जाते हैं। ऐसा ही एक विशेष आयोजन मुंबई के भायंदर स्थित वेंकटेश हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें सिटीजन राइट्स प्रोटेक्शन काउंसिल की मुंबई टीम ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में सीआरपीसी के डीजी महोदय की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष महत्व प्रदान किया।

कार्यक्रम के सफल नेतृत्व और उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए देवेंद्र वखारिया को विशेष रूप से बधाई दी गई। उनकी मेहनत, समर्पण और पूरी टीम को साथ लेकर चलने की कार्यशैली आयोजन के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दी। अनुशासन, आत्मीयता और सुव्यवस्थित प्रबंधन के साथ कार्यक्रम का संचालन सराहनीय रहा। इस अवसर पर सिटीजन राइट्स प्रोटेक्शन काउंसिल की भूमिका, टीम की सक्रियता, देवेंद्र वखारिया के समन्वय तथा जनहित से जुड़े कार्यों को लेकर भी सकारात्मक चर्चा हुई। मुंबई की पूरी टीम का एकजुट होकर कार्यक्रम में उपस्थित होना संगठन की मजबूत एकता और टीम भावना को दर्शाता है। कार्यक्रम ने यह संदेश भी दिया कि जब सोच सकारात्मक हो, नेतृत्व मजबूत हो और टीम एकजुट होकर आगे बढ़े, तो बड़ी से बड़ी मंजिल भी आसान हो जाती है। देवेंद्र वखारिया की मेहनत केवल एक कार्यक्रम की सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक मजबूत टीम और बेहतर भविष्य की नींव तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने, जनहित में और अधिक मजबूती से कार्य करने तथा टीम की एकजुटता को नई पहचान देने का संकल्प लिया गया।

वसई में जिनोवा 2026 का आयोजन, महेश सरवनकर सहित कई कार्यकर्ता रहे उपस्थित

वसई पश्चिम। तेरापंथी भवन में जिनोवा 2026 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आगामी नवरात्रि पर्व को ध्यान में रखते हुए लड़के और लड़कियों की पारंपरिक वेशभूषा को केंद्र में रखकर एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगरसेवक एवं मंडल अध्यक्ष महेश सरवनकर ने साथी कार्यकताओं के साथ कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में मयंक दुबे, लालजी कनौजिया, कल्पेश चौहान, बकुल मेहता, मारकंडे पांडे और जितेंद्र वेगुलकर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम का उद्देश्य नवरात्रि के अवसर पर पारंपरिक परिधान और संस्कृति से जुड़े विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करना था। एग्जीबिशन में अलग-अलग वेशभूषाओं को प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने देखा।

फाइंडैबिलिटी साइंसेज ने भारत के डेयरी प्रोसेसर्स के लिए 'लैक्टा इनसाइट' लॉन्च किया

मुंबई। ग्लोबल एप्लाइड एआई और डेटा लॉजिस्टिक्स कंपनी 'फाइंडैबिलिटी साइंसेस' ने आज डेरी उद्योग के लिए अपने विशेष प्लेटफॉर्म 'लैक्टाएआई' के अंतर्गत 'लैक्टा इनसाइट' लॉन्च करने की घोषणा की। यह नया प्लांट ऑपरेशंस प्रोडक्ट भारत में डेरी प्रोसेसर्स के लिए उपलब्ध होगा। भारत ने वर्ष 2024-25 में 247.87 मिलियन टन दूध का उत्पादन किया है और यह दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बना हुआ है। इतने बड़े पैमाने पर रिकवरी, प्रक्रिया की स्थिरता और ऊर्जा के उपयोग में किए गए छोटे-छोटे सुधार भी प्रोसेसर्स के लिए बड़ा आर्थिक लाभ पैदा कर सकते हैं। ऋतु, मवेशियों की नस्ल और दूध के स्रोत के अनुसार इसके घटकों में बदलाव आता है और समय के साथ उपकरणों की कार्यक्षमता भी बदलती है। अक्सर संयंत्रों को उत्पादन में होने वाले नुकसान का पता प्रयोगशाला के परिणाम आने या उत्पादन मिलान के बाद ही चलता है, लेकिन तब तक नष्ट हो चुके मिल्क सॉलिड्स को दोबारा हासिल करना संभव नहीं होता। लैक्टा इनसाइट इसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। यह उत्पादन, प्रयोगशाला, गुणवत्ता, रखरखाव और एंटरप्राइज डेटा को एक साथ जोड़ता है। यह डेरी प्रोसेसर्स को उत्पाद में होने वाले सॉलिड्स के नुकसान को बढ़ने से पहले ही पहचानने में सक्षम बनाता है। एक-एक करके अलार्म की जांच करने के बजाय यह संबंधित प्रक्रिया संकेतों का एक साथ विश्लेषण करके संभावित कारणों को तेजी से खोजता है। इसके अलावा, यह इवैपोराइजेशन और सुखाने की प्रक्रियाओं में होने वाली भाप, पानी और ऊर्जा की गैर-जरूरी खपत की पहचान कर लागत कम करता है और हर सिफारिश के पीछे सहायक साक्ष्य व कॉन्फिडेंस स्कोर प्रदान करता है।

मिंत्रा का बिग फैशन फेस्टिवल 8 मिलियन+ स्टाईल, 100+ नए लॉन्च

मुंबई। फेस्टिव शॉपिंग सीजन के आगमन के साथ ही मिंत्रा का फ्लैगशिप बिग फैशन फेस्टिवल शुरू हो चुका है, जिसमें ग्राहकों को हजारों ब्रांड्स के लाखों स्टाईल मिलेंगे। यह फेस्टिवल भारत के फैशन और लाइफस्टाईल ईकोसिस्टम के विकास में मिंत्रा की भूमिका को मजबूत करेगा। यह उभरते हुए ब्रांड्स को बड़े अवसर प्रदान करने के साथ देशभर के लाखों ग्राहकों के लिए ट्रेंड-फर्स्ट सलेक्शन, शानदार मूल्य और सुविधाजनक शॉपिंग अनुभव लेकर आएगा। बीएफएफ के दौरान मेट्रो और नॉन-मेट्रो शहरों से अधिक मांग की उम्मीद है।

बिग फैशन फेस्टिवल के बारे में बात करते हुए मिंत्रा की प्रमुख शेरॉन पेस ने कहा, बिग फैशन फेस्टिवल भारत के फेस्टिव कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। यह हमारे पूरे ईकोसिस्टम से जुड़ा है।

एक तरफ यह क्षेत्रीय सेलर्स और छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाता है, वहीं दूसरी तरफ देश के लाखों ग्राहकों तक ग्लोबल और भारतीय फैशन एवं लाइफस्टाईल ब्रांड्स पहुँचाता है। हम ए.आई. टूल्स और व्यापक डिलीवरी नेटवर्क की मदद से देश के 80 मिलियन से अधिक शॉपर्स के लिए फैशन को एक्सेसिबल, पर्सनालाइज्ड और सुगम बना रहे हैं।

मिंत्रा के सेलर ग्रोथ कनेक्ट प्रोग्राम्स की मदद से सैकड़ों डी2सी और उभरते हुए ब्रांड्स मिंत्रा के ईकोसिस्टम में शामिल हुए हैं। खासकर पूर्वी भारत के ब्रांड्स को टेक्नोलॉजी, बिजनेस इनसाइट्स और प्लेटफॉर्म की क्षमताओं के माध्यम से बड़े स्तर पर विकास करने में मदद मिली है। मिंत्रा के 80 मिलियन से अधिक मासिक एक्टिव यूजर्स की पहुँच से इन ब्रांड्स की डिस्कवरेबिलिटी बढ़ेगी। इस वर्ष 21,000 उभरते हुए ब्रांड्स और लेबल्स बीएफएफ में शामिल हैं, जिनमें 13,000 पहली बार हिस्सा ले रहे हैं। इस साल बीएफएफ में 8 मिलियन से अधिक स्टाईल उपलब्ध होंगे, जो पिछले साल के मुकाबले दोगुने हैं। इनमें इंटरनेशनल, डोमेस्टिक, उभरते हुए और डी2सी ब्रांड्स शामिल हैं। प्रमुख श्रेणियों में मेंस एवं वीमेंस एथनिक वियर, मेंस कैज्युअल वियर, वीमेंस वेस्टर्न वियर, ब्यूटी एवं पर्सनल केयर, वॉच एवं वियरेबल्स, ज्वेलरी एवं एक्सेसरीज, स्पोर्ट्स फुटवियर और होम एवं लिविंग शामिल हैं।

इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के 25 साल पूरे; हर साल 250 स्कॉलरशिप देने और नेशनल रिसर्च प्लेटफॉर्म बनाने की घोषणा

हैदराबाद/मोहाली। फाइनेंशियल टाइम्स ग्लोबल एमबीए रैंकिंग्स 2026 में भारत में पहले और दुनिया में 12वें स्थान पर रहे इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस ने अपनी 25वीं वर्षगांठ मनाई। इस मौके पर ISB@25 के तहत कई दीर्घकालीन पहलों की घोषणा की गई। इन पहलों का उद्देश्य मैनेजमेंट शिक्षा को अधिक से अधिक छात्रों तक पहुंचाना और भारत में रिसर्च और शिक्षण क्षमता को मजबूत करना है। ISB25 स्कॉलर्स प्रोग्राम के तहत ISB हर साल 250 स्कॉलरशिप देगा। ये स्कॉलरशिप ISB के प्रमुख पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (पीजीपी) और पीजीपी इन मैनेजमेंट फॉर यंग लीडर्स (पीजीपी वाईएल) कोर्स के लिए दी जाएंगी। स्कॉलरशिप छात्रों की योग्यता और आर्थिक जरूरत के आधार पर दी जाएगी। इसके तहत छात्रों को फीस में 100%, 50%, 30% और 25% तक की छूट मिलेगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य क्ष्ड में अलग-अलग क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों को अवसर देना है। अलग-अलग आर्थिक, भौगोलिक और प्रोफेशनल बैकग्राउंड वाले होनहार छात्रों को विश्वस्तरीय मैनेजमेंट शिक्षा मिल सके, इसके लिए यह प्रोग्राम शुरू किया गया है। इसके साथ ही ISB इंडिया रिसर्च कॉमन्स नाम से राष्ट्रीय स्तर का रिसर्च प्लेटफॉर्म शुरू करेगा। इसके माध्यम से देशभर के स्कॉलर्स को चुनिंदा डेटा सेट, रिसर्च टूल्स, रिसर्च मेथडोलॉजी से जुड़े संसाधन और एआई आधारित रिसर्च सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही नया नेशनल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से क्ष्ड देशभर के मैनेजमेंट शिक्षण संस्थानों के साथ अपनी शिक्षण पद्धति, क्लासरूम में पढ़ाने के तरीके और टेक्नोलॉजी की मदद से शिक्षा देने के तरीके साझा करेगा। इस तरह पिछले 25 सालों में ISB द्वारा विकसित क्षमताओं का लाभ देश के व्यापक शैक्षणिक क्षेत्र को मिल सकेगा।

नगरसेवक प्रकाश मोरे के माध्यम से झुंजार मैदान शेड के नवीनीकरण कार्य का शुभारंभ

मुंबई। शारदीय नवरात्रोत्सव के मद्देनजर श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उत्सव के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए चांदिवली विधानसभा क्षेत्र के प्रभाग क्रमांक 159 स्थित परेरावाड़ी के झुंजार मैदान शेड के नवीनीकरण का कार्य भाजपा नगरसेवक प्रकाश देवजी मोरे की ओर से कराया जा रहा है। इस कार्य का शुभारंभ रविवार को नगरसेवक प्रकाश मोरे के हाथों श्रीफल बढ़ाकर विधिवत किया गया। इस अवसर पर मंडल के पदाधिकारी, स्थानीय नागरिक, समाजसेवक चिराग शेट्टी, वार्ड अध्यक्ष प्रवीण कवर, वार्ड महामंत्री चंदू वडार, अमोल नलावडे तथा भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नगरसेवक प्रकाश देवजी मोरे ने कहा कि नागरिकों की सुविधाओं के साथ-साथ विभिन्न त्योहारों की पूर्व तैयारियों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र के आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए वे सदैव प्रतिबद्ध हैं।

जनसेवा की लौ ने खींचा खाकी की ओर, प्रथम प्रयास में बने पीपीएस अधिकारी

बलरामपुर के नवागत पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह ने साझा किए जीवन के अनछुए पहलू

-नानबाबू चौहान

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। समाज को सुरक्षित और बेहतर बनाने की जिम्मेदारी जिन चुनिंदा लोगों के कंधों पर होती है, उनके जीवन के संघर्ष, संकल्प और सेवा-भाव को जानना हमेशा प्रेरणादायक होता है। बलरामपुर के नवागत पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह भी ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। जनपद की कमान संभालने के बाद अपनी पारदर्शी, संवेदनशील, निर्णायक और मानवीय कार्यशैली के चलते उन्होंने अल्प समय में ही अपनी अलग पहचान बनाई है।

अंबेडकर नगर जनपद के अकबरपुर तहसील क्षेत्र में पले-बढ़े श्री सिंह का बचपन एक साधारण किसान परिवार में बीता। पिता किसान और माता गृहिणी रहीं। गांव के सरकारी विद्यालय से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद ज्ञान की तलाश उन्हें इलाहाबाद विश्वविद्यालय तक ले गई, जहां उन्होंने वर्ष 1992 में प्रवेश लिया।

जनसेवा के प्रति आकर्षण, पुलिस सेवा में आने के संकल्प और जीवन के संघर्षों को लेकर डीएनए के जिला बलरामपुर दैनिक डेली न्यूज एक्टिविस्ट जिला संवाददाता बी ,एस ,परिहार की खबर से जानकारी लेते हुए उत्तर शक्ति के पत्रकार नान बाबू चौहान ने एसपी मार्तंड प्रकाश सिंह से आत्मीय बातचीत की। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश–

प्रश्न :– आपका संक्षिप्त पारिवारिक परिचय क्या है?

उत्तर : मार्तंड प्रकाश सिंह– मैं मूलतः अंबेडकर नगर जनपद का निवासी हूं, जो पहले फैजाबाद की अकबरपुर तहसील का हिस्सा था। मेरे पिता किसान हैं और माता गृहिणी हैं।

प्रश्नः– आपकी प्रारंभिक और उच्च शिक्षा का सफर कहां से शुरू हुआ?

उत्तरः– अक्षर ज्ञान गांव के सरकारी विद्यालय से हुआ। ज्ञान की प्यास और कुछ कर गुजरने का संकल्प मुझे इलाहाबाद विश्वविद्यालय तक ले गया, जहां वर्ष 1992 में प्रवेश लिया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय केवल विश्वविद्यालय नहीं, बल्कि प्रतिभाओं का संगम है।

प्रश्न;– पुलिस सेवा में आने का विचार मन में कब और कैसे आया?

उत्तरः– बचपन से ही अंतर्मन में जनसेवा की लौ जल रही थी। चिकित्सक और अभियंता जैसी सेवाओं के अपने-अपने दायरे हैं, लेकिन खाकी में पीड़ा हरने की असीम शक्ति है। रोते हुए को हंसाना और पीड़ित को उसी क्षण न्याय का भरोसा दिलाना–यही भाव मुझे पुलिस सेवा की ओर खींच लाया।

प्रश्नः– प्रांतीय पुलिस सेवा तक पहुंचने में कितना संघर्ष रहा?

उत्तरः– इसे मैं संघर्ष नहीं, बल्कि अपने संकल्प की सिद्धि मानता हूं। मैंने प्रथम प्रयास में ही पीपीएस की परीक्षा उत्तीर्ण की। इससे पहले वर्ष 1999 में नगर पालिका बलिया में अधिशासी अधिकारी के पद पर मेरा चयन हुआ था, लेकिन वह नौकरी मन को रास नहीं आई। मन तो वर्दी में बसता था। इसलिए वर्ष 2000 में डिप्टी एसपी के पद पर चयन होते ही पुलिस सेवा को अपना धर्म मान लिया।

प्रश्नः– चयन की सूचना सबसे पहले किसे दी?

उत्तरः– उस दौर में आज जैसी संचार क्रांति नहीं थी। पीसीओ से बात हो जाना भी बड़ी बात होती थी। जब चयन सूची सार्वजनिक हुई तो शाम को सबसे पहले पिता को इसकी सूचना दी। वे मेरे प्रथम गुरु, प्रेरणापुंज और पथप्रदर्शक हैं।

प्रश्नः– विद्यार्थी जीवन की मित्रता कैसी रही?

उत्तरः– इलाहाबाद में मेरे सभी मित्र प्रतियोगी थे। सभी में कुछ कर गुजरने की तमन्ना थी। आपसी प्रतिस्पर्धा और वैचारिक मंथन मेरी सफलता का बड़ा आधार बना।

प्रश्नः– पुलिस सेवा का प्रारंभ कहां से हुआ?

उत्तरः– प्रशिक्षण के दौरान फैजाबाद में रहा। एक माह तक सीओ अयोध्या के पद पर कार्य किया। इसके बाद सेवा काल में सीओ, एसपी सिटी और अपर पुलिस अधीक्षक जैसे दायित्वों का निर्वहन किया।

प्रश्नः– आपके जीवन का सबसे सुखद क्षण कौन-सा रहा–डिप्टी एसपी पद पर चयन, पासआउट के दौरान संविधान की शपथ या पहली बार वर्दी पहनकर कार्यालय में बैठना?

उत्तरः– चयन मेरे संकल्प का प्रतिफल था। पासआउट के दौरान संविधान की शपथ लेना मेरे लिए गौरव और गर्व का क्षण था। वहीं पहली बार वर्दी धारण करना मेरे जीवन की समस्त खुशियों का महासंगम था।

प्रश्नः– सेवा काल की कोई ऐसी जटिल घटना, जो आज भी यादगार हो?

उत्तरः– मेरी सेवा जमीनी स्तर से शुरू हुई है, इसलिए अनगिनत उलझी हुई गुत्थियों को सुलझाने का अवसर मिला। हर सुलझी हुई गुत्थी अपने आप में एक यादगार अध्याय बन गई।

प्रश्नः– आपको गुस्सा कब आता है? उत्तरः– परनिंदा करने वाले, चुगलखोर, चापलूस, ईर्ष्यालु, आलसी और कर्तव्य से जी चुराने वाले कामचोर प्रवृत्ति के लोगों पर गुस्सा आना स्वाभाविक है।

प्रश्नः– क्या कभी विभाग में मातहतों अथवा उच्च अधिकारियों से वैचारिक मतभेद भी हुए?

उत्तरः– मतभेद होना स्वार्थ और गतिशील व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा है। एक ही मुद्दे पर सभी का एक जैसा विचार होना आवश्यक नहीं है। मेरा मानना है कि मतभेद को कभी मनभेद नहीं बनने देना चाहिए।

थाने आने वाला हर फरियादी सम्मान का पात्र

प्रश्न– थानों में आने वाले आगंतुकों के साथ पुलिस के व्यवहार को लेकर आपकी क्या अपेक्षा है?

उत्तरः– मेरा स्पष्ट निर्देश है कि थाने पर आने वाला हर व्यक्ति और हर फरियादी सम्मान का पात्र है। वे हमारे अतिथि होंगे। पुलिसकर्मी उनसे सहज, सौम्य, शालीन और मित्रवत व्यवहार करें। थाने में किसी भी प्रकार की असभ्यता और अमयार्दा मेरे कार्यकाल में कतई क्षम्य नहीं होगी। यदि ऐसी कोई शिकायत मेरे संज्ञान में आती है तो निष्पक्ष जांच कराकर दोषी के विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

हर बेटी और बहन की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

प्रश्नः– छात्राओं और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर आपकी प्राथमिकता क्या है?

उत्तरः– बलरामपुर की हर बेटी और हर बहन यह जान ले कि वह अकेली नहीं है। उसकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। वह निर्भय और निसंकोच होकर शैक्षणिक संस्थानों में जाएं तथा महिलाएं बेझिझक हाट-बाजार जाएं। इसके लिए महिला बीट को तीन सेक्टर में विभाजित कर सक्रिय किया गया है। वर्षों से निष्क्रिय पड़ी एंटी रोमियो टीम को नया प्रभारी देकर सक्रिय किया गया है।

कानून-व्यवस्था पर चौकस नजर

प्रश्नः– कानून-व्यवस्था को लेकर आपकी प्राथमिकता क्या है?

उत्तरः– जनपद की कानून-व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। जनपद की सीमाओं पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जा रही है। जिले में प्रवेश करने वाली गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर पूरे जिले को सील करने की क्षमता हमारे पास है।

अनुचित दबाव स्वीकार नहीं

प्रश्नः– प्रशासनिक कार्यों में राजनीतिक हस्तक्षेप को आप किस हद तक स्वीकार करते हैं?

उत्तरः– जिम्मेदार जनप्रतिनिधि कभी अनुचित कार्य के लिए बेजा दबाव नहीं डालते हैं। सही कार्य के लिए उनके सुझाव और मार्गदर्शन का मैं सदैव स्वागत करता हूं। लेकिन गलत कार्य को दबाव या सिफारिश के माध्यम से कराना न मेरे स्वभाव में है और न मेरे संस्कार में।

भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा से समझौता नहीं ।

प्रश्नः– भारत-नेपाल की खुली सीमा बड़ी चुनौती है। इसकी सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तरः– भारत और नेपाल का संबंध रोटी और बेटी का अटूट संबंध है। यहां युगों पुरानी परंपरा है और सौहार्द हमारी पहचान है, लेकिन सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

खुली सीमा पर एसएसबी के साथ संयुक्त गश्त चल रही है। बॉर्डर के दस महत्वपूर्ण मार्गों पर अत्याधुनिक तकनीक से लैस कैमरों वाले चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं, जो हर गतिविधि पर पैनी नजर रख रहे हैं। गति अवरोधक के रूप में ड्रम लगाए गए हैं। रात्रि में प्रत्येक चेक पोस्ट पर थानेदार स्वयं पुलिसकर्मियों के साथ मौजूद रहेगा। इसकी शुरूआत जरवा कोतवाली से कर दी गई है। जल्द ही इसका विस्तार पूरे बॉर्डर क्षेत्र में किया जाएगा।

धागा–धागा वैश्विक बाजार से जुड़ा भदोही, 500 करोड़ की उम्मीद

-सुरेश गांधी

भदोही. कालीन सिर्फ फर्श पर बिछने वाला कपड़ा नहीं, यह उन उंगलियों की रचना है जो महीनों और वर्षों तक धागों में रंग, डिजाइन और धैर्य पिरोती हैं। भदोही में चार दिन तक सजे 50वें गोल्डन जुबली इंडिया कार्पेट एक्सपो में इन्हीं धागों ने दुनिया के बाजारों से संवाद किया। मंदी के बीच भी करीब 45 देशों से 216 विदेशी कालीन खरीदार और 231 खरीद प्रतिनिधि एवं बाइंग हाउस भदोही पहुंचे। नतीजा–एक्सपो के दौरान लगभग 500 करोड़ रुपये के सैंपल नेगोशिएशन ऑर्डर और कारोबारी पूछताछ के अवसर सामने आए। अब इन पूछताछ और नमूनों के सौदों के वास्तविक कारोबार में बदलने की उम्मीद है। कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (उएढउ) की ओर से 4 से 7 अक्टूबर तक भदोही कार्पेट एक्सपो मार्ट में आयोजित इस पांचवें भदोही संस्करण ने भारतीय हस्तनिर्मित कालीन को सिर्फ प्रदर्शित नहीं किया, बल्कि उसकी वैश्विक बाजार में मौजूदगी को फिर रेखांकित किया। 50वें संस्करण का गोल्डन जुबली पड़ाव इस मायने में भी महत्वपूर्ण रहा कि भारत की हाथ से गांठदार कालीन परंपरा को दुनिया के खरीददारों ने करीब से देखा, परखा और कारोबारी संभावनाओं पर बातचीत की। एक्सपो का उद्घाटन चार अक्टूबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। इस दौरान भदोही सांसद डॉ. विनोद बिंद, औराई विधायक दीनानाथ भास्कर, ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, एमएसएमई के प्रमुख सचिव शशि भूषण लाल सुशील, IEML अध्यक्ष राकेश कुमार, उएढउ अध्यक्ष कैप्टन मुकेश कुमार गोम्बर, उपाध्यक्ष असलम महबूब समेत परिषद के पदाधिकारी, अधिकारी और प्रदर्शक मौजूद रहे।

मंदी के बीच बाजार ने दिखाई उम्मीद

CEPC अध्यक्ष कैप्टन मुकेश कुमार गोम्बर ने कहा कि चार दिवसीय आयोजन में मिले करीब 500 करोड़ रुपये के सैंपल नेगोशिएशन ऑर्डर और कारोबारी पूछताछ आने वाले वर्षों में वास्तविक व्यवसाय में बदल सकते हैं। उनके अनुसार एक्सपो छोटे और मध्यम भारतीय निर्यातकों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम बना है। यह पहल उन निर्यातकों के लिए खास मायने रखती है, जो विदेशों में होने वाली बड़ी प्रदर्शनियों में अपने उत्पाद ले जाने का खर्च नहीं उठा सकते। भदोही में विदेशी खरीदारों को एक ही छत के नीचे भारतीय कालीनों के विविध डिजाइन, बुनाई, गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता देखने का अवसर मिला। यही वजह है कि एक्सपो को भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग और वैश्विक खरीद बाजार के बीच सेतु के रूप में देखा जा रहा है। 45 देशों से आई दुनिया, 223 निर्यातकों ने खोले हुनर के दरवाजे

अर्जेंटीना से लेकर अमेरिका तक और ऑस्ट्रेलिया से लेकर जापान तक करीब 45 देशों के खरीदारों ने एक्सपो में भाग लिया। अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बेलारूस, बेल्जियम, ब्राजील, कनाडा, चिली, चीन, डेनमार्क, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इजराइल, इटली, जापान, कजाकिस्तान, केन्या, लेबनान, मैक्सिको, नेपाल, नीदरलैंड्स, न्यूजीलैंड, ओमान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्वीडन, थाईलैंड, तुर्की, यूएई, ब्रिटेन, यूक्रेन, अमेरिका, उरुग्वे और उज्बेकिस्तान समेत अनेक देशों से खरीदार पहुंचे। इनके साथ 231 विदेशी खरीदारों, बाइंग हाउसों, डिजाइनरों और आर्किटेक्ट्स के प्रतिनिधियों ने भी उत्पादों को देखा। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर समेत विभिन्न राज्यों के 223 छोटे, मध्यम और बड़े निमार्ता-निर्यातकों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए।

बीस लाख हाथों की रोजी से जुड़ा है यह कारोबार

भदोही के कालीन उद्योग की चमक के पीछे उन लाखों हाथों की मेहनत है, जिनका जीवन धागों और गांठों से जुड़ा है। उएढउ के अनुसार यह श्रमप्रधान ग्रामीण एमएसएमई-कुटीर उद्योग करीब 20 लाख बुनकरों और कारीगरों की आजीविका से जुड़ा है। इसलिए एक्सपो में होने वाला प्रत्येक कारोबारी संवाद सिर्फ निर्यात के आंकड़े नहीं बढ़ाता, बल्कि गांवों तक रोजगार और आमदनी की संभावनाएं भी पहुंचाता है। उएढउ का लक्ष्य आयातकों और निमार्ता-निर्यातकों के बीच ऐसा व्यावसायिक वातावरण तैयार करना है, जिसमें दोनों पक्ष दीर्घकालिक कारोबारी संबंध बना सकें। एक्सपो में मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया ने प्रदर्शकों में भी नए बाजारों को लेकर उम्मीद जगाई।

एनीटाइम फिटनेस इंडिया ने 200 क्लबों का आंकड़ा पार किया

मुंबई। एनीटाइम फिटनेस इंडिया ने भारत में अपने विकास की यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 200 क्लब का आंकड़ा पार कर लिया है, अब यह फिटनेस ब्राण्ड 45 से अधिक शहरों में 2 लाख से ज्यादा सदस्यों को अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है। 5 अक्टूबर को देश भर में इस उपलब्धि का जश्न मनाया गया, जिसमें सदस्यों और क्लब टीमों ने मिलकर केक काटा। यह 2030 तक पूरे भारत में 500 क्लब्स तक पहुँचने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ब्राण्ड बड़े पैमाने का मार्केटिंग एवं पीआर कैंपेन भी लेकर आई, जिसके तहत अहमदाबाद, बैंगलुरु, दिल्ली, गुरुग्राम, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और नोएडा में प्रिंट एवं डिजिटल मीडिया एक्टिवेशन शामिल थे। प्लेफुल रेस्ट डे मैसेज पर आधारित इस कैंपेन में ब्राण्ड के सदस्यों को प्राथमिकता दी गई, साथ ही पिछले सालों के दौरान एनीटाइम फिटनेस इंडिया के विकास को आकार देने में उनकी भूमिका को सराहा गया। एक फिटनेस ब्रांड के लिए, क्लबों की संख्या कहानी का सिर्फ एक पहलू है। 200 के इस आंकड़े तक पहुंचने में क्लब के सदस्यों, फ्रैंचाइजी पार्टनर्स और फिटनेस प्रोफेशनल्स की बढ़ती कम्युनिटी का उल्लेखनीय योगदान रहा है, जिन्होंने देश भर के लोगों के लिए फिटनेस को रोजमर्रा के जीवन का अहम हिस्सा बनाने में मदद की है। इस अवसर पर एनीटाइम फिटनेस इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, विकास जैन ने कहा, 200 क्लबों का आंकड़ा पार करना एनीटाइम फिटनेस इंडिया के लिए गर्व की बात है, लेकिन एक चीज इस उपलब्धि को और खास बनाती है, वह है इस विकास यात्रा से जुड़े लोग। वास्तव में हमारे सदस्य ही इस यात्रा के असली एम्बेसडर हैं। उनके लक्ष्यों, चुनौतियों, प्रगति और रोजाना की प्रतिबद्धता ने देश भर में एक खास कम्युनिटी को आकार दिया है।

मोदी इतिहास पढ़ने वाले नहीं, इतिहास के निमार्ता : नितिन नवीन

वाराणसी। वडनगर की मिट्टी से उठी आस्था, सेवा और जनसंघर्ष की यात्रा बुधवार को बाबा विश्वनाथ की पावन नगरी काशी में पहुंचकर अपने पड़ाव पर पहुंची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर निकली वडनगर-काशी सेवा संकल्प बाइक यात्रा के समापन समारोह में राजनीति के तीन अलग-अलग भूगोल–गुजरात, उत्तर प्रदेश और असम–एक मंच पर दिखाई दिए। करीब 20 हजार किमी की यात्रा पूरी कर काशी पहुंचे युवाओं का जोरदार स्वागत किया गया। इसके बाद बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया। यात्रा के दौरान युवाओं ने जगह-जगह सेवा, स्वच्छता और सामाजिक सरोकारों से जुड़कर प्रधानमंत्री के सेवा-संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। यात्रा में 500 बाइक यात्री शामिल रहे। जगतपुर इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित समापन समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, राज्यमंत्री पंकज चौधरी, भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हेमांग जोशी समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। समारोह में काशी ने वडनगर से आए यात्रियों का स्वागत किया तो मंच से सेवा, संकल्प और विकसित भारत का संदेश गूंजा। कार्यक्रम में 50 हजार लोगों की मौजूदगी का लक्ष्य रखा गया था।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केवल इतिहास को पढ़ने का काम नहीं किया, बल्कि इतिहास के निमार्ता बनने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इतिहास बनाने की क्षमता उसी व्यक्ति में होती है, जो कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने का संकल्प और समाज के लिए कुछ करने का सामर्थ्य रखता है। उन्होंने कहा कि गुजरात में आए भूकंप के बाद नरेंद्र मोदी ने स्वयं को गुजरात के पुनर्निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। गुजरात को संकट से निकालकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाने का काम किया गया। गुजरात मॉडल के माध्यम से विकास की जिस सोच को आगे बढ़ाया गया, उसका प्रभाव बाद में पूरे देश में देखने को मिला। नितिन नवीन ने कहा कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी ने देश के प्रधानमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली तो भारत अनेक चुनौतियों से गुजर रहा था। देश का युवा निराशा और अनेक समस्याओं के दौर से गुजर रहा था। आज उसी भारत में विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने दुनिया में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर के क्षेत्रों तक विकास और राष्ट्र निर्माण की दिशा में काम हुआ है। भारत आज अपनी जरूरतों की वस्तुएं स्वयं बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों में भी देश अपनी क्षमता विकसित कर रहा है। उन्होंने यात्रा में शामिल युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि एक गांव से दूसरे गांव और एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचकर लोगों से जुड़ना, सेवा करना और राष्ट्र निर्माण का संदेश देना इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि है। यही युवा विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की शक्ति हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी पहुंची सेवा संकल्प यात्रा और उसमें शामिल युवाओं का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन की यात्रा को गुजरात से शुरू होकर पूरे देश के परिवर्तन की यात्रा बताया। उन्होंने कहा कि काशी की इस पावन धरती पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और यात्रा में शामिल सभी युवाओं का काशीवासियों तथा उत्तर प्रदेश के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से हृदय से स्वागत और अभिनंदन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी का गुजरात की धरती पर मुख्यमंत्री के रूप में आगमन हुआ था।

एकलव्य स्टेडियम में धूमधाम से हुआ जेपीएल का आगाज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में बुधवार को विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में जौनपुर प्रीमियर लीग 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में विभिन्न टीमों के कप्तानों की मौजूदगी में जर्सी लॉन्च, ट्रॉफी अनावरण सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जौनपुर प्रीमियर लीग का आयोजन जौनपुर नं. 1 की पहल पर पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह द्वारा किया जा रहा है। समारोह में जिले की खेल प्रतिभाओं को मंच देने, विद्यार्थियों में खेल भावना विकसित करने और जौनपुर को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने का संकल्प लिया गया। आयोजन में विधानसभा स्तर पर गठित कुल 10 टीमों ने हिस्सा लिया।

उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि कभी समाज में यह कहावत प्रचलित थी कि खेलोगे कूदोगे तो होगे खराब, लेकिन समय के साथ यह धारणा पूरी तरह बदल गई है अब खेलोगें तो खिलोगे हो गया है। आज खेल लोगों की किस्मत बदल रहा है और युवाओं के लिए खेल एक सम्मानजनक करियर का माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि जेपीएल विश्वविद्यालय और खेल के बीच मजबूत जुड़ाव का माध्यम बनेगा। इस आयोजन से विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा आएगी और उन्हें अपनी प्रतिभा पहचानने का अवसर मिलेगा। उद्घाटन अवसर पर जौनपुर के जिलाधिकारी सैमुअल पॉल ने जौनपुर प्रीमियर लीग के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि जौनपुर को नंबर एक जिला बनाने के लिए अभिषेक सिंह द्वारा की गई पहल अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मंच से जिले की खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने की यह एक अच्छी शुरूआत है। जौनपुर प्रीमियर लीग के संयोजक अभिषेक सिंह ने कहा कि लीग का उद्देश्य जिले की प्रतिभाओं को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि जौनपुर में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें सही अवसर और उचित मार्गदर्शन देने की है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि जौनपुर के प्रत्येक क्षेत्र की प्रतिभा सामने आए।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने एक्सआर300 एल और एक्सआर300 रैली की कीमतों की घोषणा की

मुंबई। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज नई होंडा एक्सआर300 एल और होंडा एक्सआर300 रैली की कीमतों की घोषणा करते हुए इनकी बुकिंग शुरू कर दी है। जुलाई 2026 में एचएमएसआई के विस्तारित 10-प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के हिस्से के रूप में पेश की गईं ये दोनों मोटरसाइकिलें होंडा की मेक-इन-इंडिया फॉर द वर्ल्ड प्रतिबद्धता को और मजबूत करती हैं। साथ ही, ये ऑन-रोड और ऑफ-रोड दोनों तरह की परिस्थितियों में बहुमुखी प्रदर्शन चाहने वाले राइडर्स के लिए होंडा की एडवेंचर मोटरसाइकिल रेंज को भी मजबूत बनाती हैं। होंडा एक्सआर300 एल की कीमत 1,83,000 (बेंगलुरु में एक्स-शोरूम) रखी गई है। यह रोजमर्रा की उपयोगिता और ट्रेल राइडिंग के लिए बेहतर क्षमता का संतुलन पेश करती है। वहीं, होंडा एक्सआर300 रैली की कीमत 2,08,000 (बेंगलुरु में एक्स-शोरूम) रखी गई है। होंडा की रैली रेसिंग विरासत से प्रेरित यह मोटरसाइकिल अलग-अलग तरह के इलाकों में लंबी दूरी की यात्राओं के लिए टूरिंग-केंद्रित आराम और बेहतर विंड प्रोटेक्शन प्रदान करती है। दोनों मॉडल देशभर में केवल अधिकृत होंडा बिगविंग डीलरशिप के माध्यम से उपलब्ध होंगे। रु. 5,000 की बुकिंग राशि के साथ बुकिंग अब शुरू हो गई है। ग्राहक एचएमएसआई की वेबसाइट और होंडा बिगविंग डीलर नेटवर्क के माध्यम से अपनी बुकिंग करा सकते हैं।

वसई के लंबित मामलों को लेकर मुख्यमंत्री से मिलीं स्नेहा दुबे पंडित

मुंबई। वसई विधानसभा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण और लंबित जनहित के मामलों को लेकर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने मंत्रालय में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के कई प्रमुख मुद्दों को सरकार के समक्ष रखते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। मुलाकात के दौरान सबसे प्रमुख रूप से जिला परिषद स्कूलों को वसई-विरार शहर महानगरपालिका में हस्तांतरित करने के मुद्दे पर फॉलो-अप किया गया। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने इस संबंध में सरकार से जल्द निर्णय लेने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले में सकारात्मक आश्वासन देते हुए जल्द निर्णय लिए जाने का भरोसा दिलाया। इसके अलावा वसई-विरार शहर महानगरपालिका में इंजीनियर, असिस्टेंट कमिश्नर सहित अन्य आवश्यक पदों पर रिक्तियां तत्काल भरने, विधानसभा सत्र के दौरान वसई क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर सरकार द्वारा किए गए वादों को पूरा करने तथा ह्यओवर एंड एबव सीसी के आधार पर निर्मित इमारतों को ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट दिलाने के लंबित मामले पर भी चर्चा की गई। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि वसई विधानसभा क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर उनका प्रयास लगातार जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे केवल मुद्दों को सरकार के सामने रखने तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि संबंधित मामलों में निर्णय होने तक लगातार फॉलो-अप करती रहेंगी। मुख्यमंत्री के साथ हुई इस बैठक को वसई विधानसभा क्षेत्र के लंबित विकास कार्यों और जनहित के मामलों के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

वसई-विरार मनपा में रिक्त पद जल्द भरने की मांग

मुंबई/वसई। वसई-विरार शहर महानगरपालिका में लंबे समय से रिक्त महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों को जल्द भरने की मांग को लेकर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने मंत्रालय में नगर विकास राज्यमंत्री माधुरी मिसाळ से मुलाकात की। इस दौरान महानगरपालिका से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक, शहरी विकास एवं नागरिक सुविधाओं के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। हालिया रिपोर्ट में भी इस मुलाकात और रिक्त पदों के मुद्दे की पुष्टि की गई है। बैठक में विशेष रूप से असिस्टेंट कमिश्नर, इंजीनियर तथा अन्य आवश्यक पदों की रिक्तियों का मुद्दा उठाया गया। विधायक ने कहा कि वसई-विरार जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहर में महत्वपूर्ण पद लंबे समय तक खाली रहने से विकास कार्यों और प्रशासनिक व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। उन्होंने खास तौर पर सिटी इंजीनियर के रिक्त पद को जल्द भरने की आवश्यकता पर जोर दिया। विधानसभा के सत्र के दौरान सरकार की ओर से दिए गए आश्वासन का उल्लेख करते हुए उन्होंने इस संबंध में ठोस कार्रवाई की मांग की। राज्यमंत्री माधुरी मिसाळ ने इस मुद्दे पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि सत्र के दौरान किए गए वादे को अगले महीने तक पूरा करने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी।

लायंस क्लब जौनपुर रॉयल ने किया वृहद पौधारोपण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित सर्विस वीक के अंतर्गत शीतला धाम चौकिया स्थित रचना विशेष विद्यालय में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा विद्यालय परिसर को हरित एवं सुंदर बनाने के साथ समाज में प्रकृति संरक्षण का संदेश देना रहा। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों द्वारा विद्यालय परिसर में 7 फलदार एवं 10 फलदार, कुल 17 पौधों का रोपण किया गया। पौधारोपण के दौरान सदस्यों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में चार्टर प्रेसिडेंट ला. अजय गुप्ता सहित संस्था के सम्मानित सदस्यों ने उपस्थित होकर पौधारोपण में सक्रिय सहभागिता की। इस दौरान विद्यालय परिसर में उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण, अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। पूर्व सचिव अजय गुप्ता ने कहा, हरीभरी धरती का सिंगार हैं। पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और इनके बिना स्वस्थ एवं स्वच्छ वातावरण की कल्पना नहीं की जा सकती। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण एवं जनसेवा से जुड़े ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान क्लब सदस्यों ने विद्यालय के बच्चों एवं उपस्थित लोगों को पौधों के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए एक पौधा लगाएं, पर्यावरण बचाएं का संदेश दिया। क्लब द्वारा सर्विस वीक के अंतर्गत किए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों की कड़ी में यह पौधारोपण कार्यक्रम सामाजसेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति क्लब की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले विद्यालय परिवार एवं सभी उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

कलेक्ट्रेट में सपा का शक्ति प्रदर्शन, पुतला दहन को लेकर पुलिस से नोकझोंक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को जौनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अगुवाई में हुए प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने ह्लवोट चोर, गद्दी छोड़ह्व समेत कई नारे लगाए। प्रदर्शन में मछलीशहर विधायक डॉ. रागिनी सोनकर, विधायक पंकज पटेल समेत पार्टी के कई पदाधिकारी, नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकर्ताओं की ओर से पुतला दहन किया गया। पुतला दहन को लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक की स्थिति उत्पन्न हो गई। इस दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में कुछ देर तक गहमागहमी का माहौल रहा। घटना से जुड़े कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए हैं, हालांकि वायरल वीडियो में दिखाई दे रही घटनाओं के पूरे संदर्भ की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन की ओर से कलेक्ट्रेट परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। आईपीएस अधिकारी गोल्डी गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस बल, रहअळ टीम और अन्य सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई। गोल्डी गुप्ता ने पुलिस टीम के साथ धरना स्थल का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच पुलिस और प्रशासन ने स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखी और प्रदर्शन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने का प्रयास किया। सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान सात सूत्री मांगें उठाईं। इसके बाद अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा गया। धरना-प्रदर्शन के चलते कलेक्ट्रेट परिसर में काफी देर तक राजनीतिक सरगर्मी बनी रही।

विकसित भारत संकल्प बैठक उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न

नालासोपारा पूर्व। नालासोपारा पूर्व स्थित मजीठिया थिएटर में विकसित भारत संकल्प बैठक का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों के दौरान देश में हुए विकास कार्यों, विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्रगति तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के मुख्य वक्ता एवं पूर्व विधायक मधु चव्हाण ने उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विभिन्न विकास कार्यों और बदलावों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल सरकार का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी और जिम्मेदारी से जुड़ा संकल्प है। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, आमदार राजन नाईक, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, जिला महासचिव मनोज बारोट, महासचिव बृजेंद्र कुमार, महासचिव कपिल म्हात्रे, वसई-विरार शहर महानगरपालिका के विरोधी पक्ष नेता मनोज पाटिल, ग्रुप लीडर अशोक शेलके, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष विनीत तिवारी तथा बोर्ड अध्यक्ष शशिकांत दुबे सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी, कॉर्पोरेटर, कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की। वक्ताओं ने आत्मनिर्भर भारत, आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे, तकनीकी प्रगति और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने विकसित भारत–आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ देश के विकास में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

हर मानसून में बेबस होता नबाबों के शहर का फैजुल्लागंज

विशेष रिपोर्ट-एलायजर दयाल

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। नवाबों के शहर लखनऊ की चमक-धमक से महज कुछ किलोमीटर दूर बसा फैजुल्लागंज क्षेत्र हर साल मानसून के आगमन के साथ ही एक मानवीय आपदा का केंद्र बन जाता है। स्मार्ट सिटी और रिवरफ्रंट के बड़े-बड़े दावों के बीच, गोमती के किनारे बसी यह घनी आबादी आज भी बुनियादी ड्रेनेज सिस्टम के लिए तरस रही है।

राजधानी लखनऊ की पहचान बदल रही है। चौड़ी सड़कें, फ्लाईओवर्स और रिवरफ्रंट इस शहर के आधुनिक स्वरूप की गवाही देते हैं। लेकिन इसी चमचमाते लखनऊ के उत्तरी छोर पर स्थित फैज़ुल्लागंज एक ऐसा क्षेत्र है, जहाँ की तस्वीरें प्रशासनिक व्यवस्था और नगर निगम के दावों की कलई खोल देती हैं। हर साल जुलाई से सितंबर के महीनों में जब पूरा शहर बारिश की बूंदों का आनंद लेता है, फैजुल्लागंज के लगभग दो लाख निवासी खौफ और अनिश्चितता के साए में जीने को मजबूर होते हैं।

गोमती का 'बैकवाटर' और अनियोजित विकास

फैजुल्लागंज की सबसे बड़ी समस्या इसकी भौगोलिक स्थिति और बिना किसी मास्टर प्लान के हुआ विस्तार है। गोमती नदी के निचले कैचमेंट एरिया (निकासी क्षेत्र) में बसे इस इलाके में बारिश के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ते ही पानी नालों के जरिए उल्टा बस्तियों की ओर लौटने लगता है। इसे तकनीकी भाषा में 'बैकवाटर इफेक्ट' कहा जाता है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि मानसून से पहले हर साल नालों की सिल्ट (गाद) सफाई के नाम पर लाखों-करोड़ों रुपये का बजट दिखाया जाता है। लेकिन पहली ही मूसलाधार बारिश यह साबित कर देती है कि कागजों पर हुई सफाई जमीन पर कितनी खोखली थी। उफनते नाले और सीवर का दूषित पानी सड़कों से होता हुआ लोगों के बेडरूम और रसोई तक पहुँच जाता है।

तस्वीर का दूसरा रुख

* प्रभावित आबादीः लगभग 1.5 से 2 लाख
* प्रमुख समस्याः गोमती का बैकवाटर, सीवर का अभाव
* स्वास्थ्य संकटः डेंगू, मलेरिया, डायरिया का बढ़ा खतरा
* मुख्य मांगः स्थायी पंपिंग स्टेशन व बंधा निर्माण

छतों पर कटती ज़िंदगियाँ, मंडराता बीमारियों का साया

जलभराव के दौरान फैजुल्लागंज में जनजीवन पूरी तरह ठप हो जाता है। घुटनों से लेकर कमर तक भरे गंदे पानी के बीच लोग अपने ही घरों की छतों पर कैद होकर रह जाते हैं।

* स्वास्थ्य संकटः हफ्तों जमा रहने वाला दूषित पानी डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और त्वचा रोगों को न्योता देता है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है।

* सांप-बिच्छुओं का डरः बाढ़ के पानी के साथ जहरीले जीवों का घरों में घुसना आम बात है, जिससे रात भर लोग दहशत में जागने को मजबूर होते हैं।

* आर्थिक चोटः दिहाड़ी मजदूरों और मध्यमवर्गीय परिवारों के घरों का सामान, राशन और इलेक्ट्रॉनिक्स पानी में डूबकर नष्ट हो जाते हैं। हर साल लगने वाला यह आर्थिक झटका इन परिवारों की कमर तोड़ देता है।

हर साल बारिश के समय जनप्रतिनिधि और अधिकारी आते हैं, राहत सामग्री बांटते हैं और चले जाते हैं। हमें दो दिन का राशन नहीं, बल्कि हर साल डूबने से मुक्ति का स्थायी समाधान चाहिए।

– राम प्रकाश यादव, स्थानीय निवासी, फैजुल्लागंज तृतीय

तात्कालिक 'बैंड-एड' नहीं, स्थायी समाधान की दरकार

प्रशासनिक प्रतिक्रिया अक्सर ट्रैक्टरों से जल-निकासी करने, भोजन के पैकेट बांटने और अस्थायी पंप लगाने तक सीमित रहती है। लेकिन यह समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। जब तक एक दीर्घकालिक और ठोस इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम नहीं होगा, फैजुल्लागंज की नियति नहीं बदलेगी।

विशेषज्ञों के अनुसार अनिवार्य कदमः

1.मास्टर ड्रेनेज नेटवर्कः पूरे क्षेत्र के लिए एक ऐसा ड्रेनेज सिस्टम बने जो नदी के बढ़े जलस्तर के बावजूद पानी को वापस बस्तियों में न आने दे।

2.स्थायी उच्च-क्षमता पंपिंग स्टेशनः गोमती के किनारे पक्के और स्वचालित पंपिंग स्टेशन स्थापित किए जाएं।

3.तटबंध (ऐंल्ल ाल्लउ) का सुदृढ़ीकरणः नदी के किनारों पर सुरक्षा दीवार को मजबूत और ऊंचा किया जाए।

लखनऊ को सही मायनों में 'स्मार्ट' कहने का हक तब तक नहीं मिल सकता, जब तक उसकी सीमा में रहने वाली एक बड़ी आबादी को हर साल जलमग्न होना पड़े। फैजुल्लागंज के नागरिक कोई विशेष सुविधा नहीं, बल्कि संविधान प्रदत्त एक सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जीने का अधिकार मांग रहे हैं। अब देखना यह है कि क्या यह मानसून नगर निगम और शासन की नींद तोड़ेगा या यह फाइल भी बारिश का पानी उतरने के साथ बंद हो जाएगी।